दैनिक प्रातः कालीन भारत सरकार से रजिस्टर्ड हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 187 मुरादाबाद, 26 October 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

मल्लिकार्जुन खरगे और अखिलेश यादव ने थैलीसीमिया के 14 बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाने के लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कानपुर में एक सरकारी अस्पताल में 14 थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाये जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कानपुर के एक सरकारी अस्पताल में थैलीसीमिया के 14 बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संक्रमित खून चढ़ाने से बच्चों को एचआइवी, एडस व हेपेटाइटिस B व C जैसी गंभीर बीमारियां हो गई हैं। डबल इंजन सरकार ने हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को डबल बीमार कर दिया है। यूपी के कानपुर में एक सरकारी अस्पताल में थैलीसीमिया के 14 बच्चों को संक्रमित खून चढ़ा दिया गया, जिससे इन बच्चों को HIV AIDS और हेपेटाइटिस B, C जैसी चिंताजनक बीमारियां हो गई हैं। ये गंभीर लापरवाही शर्मनाक है। मासूम बच्चों को भाजपा सरकार के इस अक्षम्य अपराध की सजा भुगतनी पड़ रही है। मोदी जी कल हमें 10 संकल्प लेने की बड़ी-बड़ी बातें सिखा रहे थे, क्या उन्होंने कभी अपनी भाजपा सरकारों की रत्ती भर भी जवाबदेही तय की है अखिलेश यादव बोले- उप्र में चिकित्सा व्यवस्था देखनेवाला कोई नहीं उप्र में संक्रमित खून चढ़ाने से 14 बच्चों को HIV और हेपेटाइटिस का संक्रमण होना बेहद गंभीर बात है। इस लापरवाही की तत्काल जांच हो और इस तरह की घातक गलती की सख्त से सख्त स दी जाए। उप्र में चिकित्सा व्यवस्था देखनेवाला कोई नहीं है। मेडिकल कॉलेज ने किया इस घटना का खंडन- इस मामले में मेडिकल कॉलेज ने खंडन जारी किया है। वहीं जीएसवीएम के प्राचार्य डॉ संजय काला इस संबंध में प्रेस वार्ता करेंगे।

सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, कहा- किसी के साथ न होने देंगे अन्याय; खुशहाली को संकल्पित सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। सीएम ने संतुष्टिपरक निराकरण के निर्देश दिए। लगातार तीन दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में अति व्यस्तता के बाद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में सीएम योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी ने बुधवार सुबह

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

प्रियंका ने कहा- सरकार बनने के पहले साल से हर महिला को 10 हजार सालाना, 500 में सिलेंडर

राजस्थान में विधानसभा के तारीखों के घोषणा के बाद सभी पार्टियां प्रचार में लग गई हैं। इसी क्रम में आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी झुंझनू में पहुंचीं हैं। प्रियंका बोलीं- विजनरी नेता ही विकास को तेजी देता है प्रियंका गांधी ने पंडाल में बैठी महिलाओं और लड़कियों से कहा कि मुझे पता चला है कि आप काफी समय से यहां बैठी हैं। लड़कियों से पूछा कि क्या आप बोर हो रही हैं। फिर उन्होंने कहा कि आपकी यह जो मिट्टी है, इसने देश को बहुत कुछ दिया है। शीशराम ओला जैसे नेता और अनगिनत शहीद सैनिक। यहां की माताओं को मेरा प्रणाम। सबसे ज्यादा रिटायर सैनिक झुंझुनू में ही हैं। सरहद पर सबसे ज्यादा सैनिक भी झुंझुनू से ही हैं। आज आपके सामने चुनाव के मौके पर मैं खड़ी हूं। प्रियंका ने लोगों से पूछा कि आप नेता से क्या चाहते हैं। जो नेता देश या प्रदेश को चलता है, उसे गहरी समझ होनी चाहिए। भविष्य में क्या बनाना चाहते हैं। ये जो विजन है उसी से विकास होता है। अगर एक ऐसा नेता प्रदेश को चला रहा है कि जिसका विजन नहीं है तो आप कितना पढ़ लें आपको रोजगार नहीं मिलेगा। प्रियंका ने आगे कहा कि आज की सरकार सिर्फ दो उद्योगपतियों का प्रोत्साहन कर रही है। देश के बंदरगाह, एयरपोर्ट और जितने बड़े पीएसयू (पब्लिक सेक्टर यूनिट) थे, सब उन्हें दे रहे हैं। आप बच्चों को पढ़ा रहे हैं। लेकिन एक ऐसी सरकार है जो रोजगार बना ही नहीं रही। ऐसी सरकार होगी तो आपके बच्चों के भविष्य का क्या होगा। उन्होंने

कहा कि रोजगार पीएसयू से बनता है, उसे उन्होंने अपने उद्योगपति मित्रों को सौंप दिया। उनकी कंपनियां ऐसी हैं जिनसे रोजगार नहीं बनते। किसान आंदोलन इसलिए हुआ क्योंकि यह खेती की जमीन भी उद्योगपति मित्रों को दिए जा रहे थे। लेकिन ये तब झुके जब चुनाव आ रहे थे। गहलोत बोले, प्रियंका जी का तीसरी बार आना हुआ है। पूरा ओला परिवार गांधी परिवार के प्रति समर्पित रहा है। बृजेंद्र ओला मेरे साथ दूसरी बार मंत्री बने हैं। इस अवसर पर कांग्रेस में ज्वाइनिंग हुई है। ममता शर्मा हमारी कार्यकर्ता रही हैं। ये मैसेज हैं प्रदेश के अंदर कि हमारी सरकार ने काम किए हैं। यहां कमला बेनीवाल और सुमित्रा सिंह जैसी लड़कियां वनस्थली जाकर पढ़ी हैं। हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में क्या नहीं किया। पांच साल में 310 कॉलेज खोल दिए। महंगाई राहत शिविरों में हमने जो गारंटी दी वह लागू भी कर दी है। आज महंगाई का दौर है। राहुल गांधी की यात्रा में चार मुद्दे थे। महंगाई, बरोजगारी, गरीबी और धर्म के नाम पर बढ़ती खाई। मेरी सरकार के बजट में इन चारों मुद्दों पर काम किया। इनके हिंदुत्व का मुद्दा बनाते हैं, वह भी ज्यादा चलने वाला नहीं हैं। हम भी सेवा करते हैं गायों की। लंपी में गाय मर गई थी, हमने प्रति गाय 40 हजार का पेमेंट किया। आगे गाय-भैंसो का बीमा कर दिया। पुजारियों का मानदेय बढ़ाया। 500 रुपये में गैस सिलेंडर हिंदुस्तान में कहीं नहीं रहा, हमने दिया। प्रदेश में 1.5 लाख किलोमीटर की सड़कें बनी। महिला हमारी टारगेट है। इस प्रकार हमारा सशक्तिकरण होगा। सोनिया गांधी ने संसद में महिला आरक्षण का मुद्दा बना रखा था। नौ साल बाद मोदी सरकार को झुकना पड़ा और कानून बनाना पड़ा। जो फैसले हमने किए हैं, उसके कारण राजस्थान पहली बार देश में चर्चा में आ गया। बाकी राज्यों में कहीं 15 प्रतिशत कहीं 20 प्रतिशत लोगों को बीमा कवर है। आज हमारी दो गारंटियां थीं। हम चाहते थे कि ये गारंटी प्रियंका गांधी घोषित करें, लेकिन उन्होंने मुझे इसकी जिम्मेदारी दी है। आज तक किया आपके सामने है। बहुत लंबी लिस्ट है वक्त लग जाएगा। 500 रुपये का सिलेंडर दिया था। वह उज्ज्वला योजना की महिलाओं को दिया था। आज मैं गारंटी दे रहा हूं कि सरकार आएगी तो एक करोड़ पांच लाख परिवारों को 500 रुपये का सिलेंडर मिलेगा। महिला को सम्मान के रूप में प्रतिवर्ष दो या तीन किश्तों में 10 हजार रुपये मिलेगा, यह उनका सम्मान है। घर में बेटी, दोहिती और दोहिता आता है तो सासू को किसी से मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह उन्हें पैसा दे सकती है।

अब किताबों में इंडिया की जगह लिखा आएगा भारत, नाम बदलने की सिफारिश हुई मंजूर

एनसीईआरटी की ओर से गठित एक समिति ने सिफारिश की थी कि किताबों की छपाई फिर से की जाए, जिनमें 'INDIA' को बदलकर 'Bharat' लिखा जाएगा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, यानी एनसीईआरटी की किताबों में जल्द ही एक बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल, एनसीईआरटी द्वारा गठित एक समिति ने किताबों में 'INDIA' को बदलकर 'Bharat' करने की सिफारिश की थी।पैनल द्वारा पुस्तकों के अगले सेट में इंडिया के बजाय भारत प्रिंट करने के प्रस्ताव को सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया है। पैनल के सदस्यों में से एक ने इस बात की पुष्टि की है।पैनल के सदस्यों में से एक सीआई इस्साक (CI Issac) के मुताबिक, पैनल के सभी सदस्यों नЀ 'INDIA' को बदलकर 'Bharat' करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है। यह प्रस्ताव कुछ महीने पहले रखा गया था और अब, जबकि प्रस्ताव स्वीकार किया जा चुका है तो एनसीईआरटी की नई किताबों में इंडिया की जगह भारत मुद्रित किया जाएगा।

लागू हो भारतीय ज्ञान प्रणाली

इसी के साथ समिति के अध्यक्ष सी आई इस्साक ने यह भी बताया कि एनसीईआरटी पैनल ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System) को शामिल करने की सिफारिश की है। इंडिया बनाम भारत अब एनसीईआरटी की किताबों का एक नया दस्ता जारी किया जाएगा। नई किताबों में बच्चे अब इंडिया नहीं, बल्कि भारत पढ़ेंगें। बता दें कि %भारत% बनाम इंडिया पर चर्चा की शुरुआत तब हुई जब केंद्र ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित जी20 रात्रिभोज के निमंत्रण को "President of India" के बजाय "President of Bharat" के नाम से भेज दिया, जिससे राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। सितंबर में, जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में जी20 लीडर्स शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तब उनकी नेमप्लेट पर भी भारत प्रदर्शित किया गया था। संविधान के अनुच्छेद 1 (1) में हमारे देश का नाम इंडिया, अर्थात भारत राज्यों का संघ होगा परिभाषित किया गया है।

आजम खां से मिलने जेल जाएंगे अजय राय, बोले- उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस साथ है

अजय राय का कहना है कि भाजपा सरकार ने गलत तरीके से आजम खां पर निशाना साधना शुरू किया है। ऐसे में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक वरिष्ठ नेता के साथ हुए उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस खड़ी है। आजम खां के साथ अन्याय हो रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपनी टीम के साथ बृहस्पतिवार को सीतापुर जेल में सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस लगातार अल्पसंख्यक नेताओं को जोड़ने के अभियान में लगी है। अजय राय की यह मुलाकात भी उसी कड़ी से जोड़ कर देखी जा रही है। हालांकि अजय राय का कहना है कि भाजपा सरकार ने गलत तरीके से आजम खां पर निशाना साधना शुरू किया है। ऐसे में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक वरिष्ठ नेता के साथ हुए उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस खड़ी है। आजम खां के साथ अन्याय हो रहा है।

क्रूरता से कत्ल! चीखता रहा पूरा परिवार...और वह कुचलता रहा, आठ बार चढ़ाया ट्रैक्टर

रास्ते के विवाद में ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की हत्या कर दी गई। आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर ने जमीन पर पड़े युवक पर आठ बार ट्रैक्टर का पहिया चढ़ाया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेरहमी से किए गए इस मर्डर का वीडियो भी सामने आया है। मर्डर के बाद गांव में तनाव की स्थिति है, मामला भरतपुर के बयाना क्षेत्र का है। भरतपुर में बयाना के सदर थाना इलाके के गांव अड्डा में दो पक्षों में जमीन विवाद की रंजिश एक बार फिर हत्या की वजह बन गई। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ट्रैक्टर चालक ने जमीन पर पड़े युवक पर आठ बार आगे-पीछे करके ट्रैक्टर के पहिए चढ़ाए। इसका एक

वीडियो भी सामने आया है। घटना से गांव में तनाव फैल गया। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतक युवक निरपत गुर्जर पुत्र अतर सिंह के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एंबुलेंस से बयाना सीएचसी भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, अड्डा गांव के बहादुर गुर्जर और अतर सिंह गुर्जर पक्षों के बीच पिछले काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर बुधवार सुबह करीब आठ बजे दोनों पक्ष फिर से आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के ऊपर लाठी-डंडों से हमला कर पथराव कर दिया। इसमें दोनों पक्षों की महिलाएं भी शामिल थीं। ग्रामीणों के मुताबिक, फायरिंग की आवाज भी आई थी। झगड़े के दौरान निरपत नाम का युवक जमीन पर गिर गया। तभी बहादुर पक्ष के एक युवक ने जमीन पर गिरे पड़े निरपत के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। रोकने के बावजूद आरोपी ट्रैक्टर चालक नहीं रुका और आठ बार जमीन पर गिरे निरपत के ऊपर ट्रैक्टर के पहिए चढ़ाए। इससे निरपत की मौके पर मौत हो गई। इसी विवाद को लेकर पांच दिन पहले 21 अक्तूबर को भी बहादुर और अतर सिंह गुर्जर पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसमें बहादुर और उसका छोटा भाई जनक गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

संपादकीय Editorial

How sweet milk federation

The sweetness of Milkfed in the sweet season and an effort to show something in the celebration of the year. Holding the sweets in their hands, Milkfed is showing the love of the market in a gift pack this time, where Himachal is a brand for the buyer. There is no doubt that Milk Federation brings taste with its presence in the name of Diwali sweets and Lohri gajak. It is also true that these products make their specialty known on the basis of quality, but this is a short-term effort which is not able to convey the message consistently in the market. Needless to say, despite the claims, the milk products of Himachal are not able to stand in line with the neighboring states, as a result the dependence on dairy of the outside states has not reduced. This is also a strange cycle that Himachal orders its breakfast from outside. Milk, bread and poultry products knock at every door early in the morning, but there is hardly any Himachal brand there, otherwise our cows and buffaloes are roaming on the roads. The surprising thing is that we don't even dare to guess how many dairy, poultry and bakery products are reaching us from distant other states by morning. Of course, many refrigeration centers or milk plants of Milk Federation are struggling to prove useful for us, but neither the milk plants of Mandi, nor Shimla, nor Kangra could meet even a quarter of the requirement. Now the proposal of a 'state of the art' milk processing plant at Dhagwar in Kangra at a cost of Rs 226 crore is raising hopes. Even before this, Himachal continued to make isolated efforts under the National Dairy Development Programme, but the Milk Federation could not completely find a solution to the consumer's demand. One has to wait for the trucks coming from outside to get bread, butter and eggs for morning tea and breakfast. In such a situation, Sukhu government is nurturing a big dream through the milk plant of Kangra and it is also an assurance of purchasing milk from the producer at a fair price under the guarantee of Congress. On this pretext, the capability of Himachal will be known whether the state will be able to decorate its breakfast plate. On the pretext of breakfast, Kangra Tea is getting an opportunity to showcase its colours, Milk Federation is getting the opportunity to showcase its Jauhar in milk, butter, cheese and bread products and HPMC is getting the opportunity to serve various types of juices. If the Milk Federation also adds bakery production through its various product units, then these products will also reach every home without any extra expenditure in the transportation of milk. Along with this, if Milk Federation is shining its brand by launching Diwali sweets in the market, then why not see it in the network throughout the year and dedicate a production unit for it. Many departments, universities, corporations and federations of Himachal want to become brands in the state's products in their own ways, but no coordinated work is being done. In the seventies itself, Himachal's juice had established its influence in the entire country, but now HPMC is lagging behind in such objectives. A chain of products is possible to supply the tourism market of the state and in this regard, malls of Himachali products should be established in the entire state. If we make only honey and Kangra tea a brand, then it will be necessary for every visitor to buy them along with shawl, scarf or cap. If the efficiency of Jwalamukhi trees and Deyotsiddh rot is added along with Dhagwar Milk Plant, then not only will they be available in place of Prasad, but will also add fragrance to the identity of Himachal in the national and international market. Among such products, pure incense, bronze flower products, gardening products, fish pickles and Himachali Dham canning, when presented with their specialties.

There is a need for human sensitivity in studies to make Indian social science creative.

We need to develop an intuitive and liberal social knowledge of the Indian type in the country. To transform it into a creative social science, it is necessary that it includes elements of human sensitivity, in which literature will be useful. In India, the science of social knowledge is called social science. In our country, this genre of social knowledge has developed under the methods and perspectives of colonial knowledge. Due to this it is a victim of a kind of indifferent dryness. The amount of sensitivity towards the society it claims to understand is minimal. Understanding this problem, 'National Education Policy-2020' envisages simple, intuitive social knowledge with sensitivity and emphasizes on inter-disciplinarity and multi-disciplinarity. Besides, it also suggests to encourage Indian universities, IITs and 'liberal' arts and 'liberal' studies to develop liberal arts and innate multifaceted social knowledge. Firstly, it has been suggested to link the education of science, technology and management with 'liberal' studies; secondly, it has also been proposed to make the education and research of social sciences in Indian universities simple, life-oriented, socially relevant and creative. Based on these suggestions, many IITs and IIMs have started 'Liberal' Studies or 'Liberal' Arts courses. However, this pace of change is still slow in central universities. While talking to people in universities, I repeatedly feel that we are facing difficulty in understanding this 'liberal' form of social knowledge. Even in the private sector, many universities have taken initiative and developed and implemented 'liberal' studies courses. But their problem is that their curriculum is mostly influenced by the curriculum of universities in western countries. Whereas there is a need to start a tradition of teaching and research of such social studies with sensitivity, which is connected to the Indian land and sensitive environment. For this, the University Grants Commission will have to take initiative and develop a model framework of sensitive interdisciplinary and liberal social knowledge. 'Liberal' studies is a very popular course in the universities of western countries, but this branch of knowledge is basically based on the experiences of western societies. And it is based on the principles originated there. It is interesting to note that the basis of 'Liberal' studies can basically be found in the Indian Gurukul systems, where the concept of knowledge included tradition, culture, values, technology, logic, scriptures, interpretation, Nirukta, everything. But under the influence of colonial education, our social science became a victim of excessive positivity, became cut off from sensitivity and under the influence of excessive specialism, it became a victim of disciplinary fanaticism. In India, to connect social knowledge with sensitivity, it is very important to link it with literature. . Literature has played a very important role in our knowledge tradition in the country, but under the influence of Western positivism, the role of literature and sensitivity in the social sciences that developed in the colonial universities in the country continued to become negligible. We gradually cut off the teaching and research of social sciences from literature. The result was that we began to see and understand society only through quantitative data and qualitative participant observations. In Indian social science, the writings of Katha Samrat Premchand must be used to understand the village societies of the Hindi region and the continuous changes taking place in them. To understand the post-independence Indian village society, the formation of a democratic state and the changing politics. Especially three novels published in Hindi can prove to be very important texts. The first of these is Phanishwarnath Renu's novel Maila Aanchal, the second is Shrilal Shukla's novel Raag Darbari and the third is Akhilesh's novel Nirvasan. These three are very important novels. If a social lesson is done by combining these three, then the social history of change in the society from the year 1950 to around 2010 can be understood very well. By reading them sequentially, our researchers and students can also connect with the sensitive knowledge of the development of Indian society. These three novels are certainly sensitive documentations of the social changes taking place in the Hindi belt. For example, Maila Aanchal and Raag Darbari depict the social changes from 1950 to the eighth decade of the last century, and Akhilesh's novel Nirvasan. The social times after the last decade of the last century can be understood. Through exile, the often invisible subtle processes of changing society, state and creation of a new generation can also be understood very well. In 'liberal' studies of social knowledge, literary texts not only help in understanding the invisible and unspoken public reactions to development and change, but also help in understanding the sensitive changes, turning points and continuous erosion and creation of society through these processes. Can be understood well. Along with literature, folklore, folk songs, idioms and issues related to folk cultures can also help us in connecting Indian social science with sensitivity. There is also a need to include many lessons and discussions from the Indian knowledge tradition. If I were to summarize this entire debate, I would like to say that Indian social science should be considered as a creative social science. There is a need to convert it into knowledge. For this, it is necessary that elements of human sensitivity be included in Indian social studies. For the development of Indian 'liberal' and social sciences, it is necessary that literature, folklore and oral traditions and creative expressions of other social groups like Dalits, women, youth should also be included in it. We certainly need to develop in India an intuitive and liberal social knowledge of the Indian type.

Religion of humanity: Islam will become liberal only if weapons are taken from the hands of Jihadis.

Being a staunch critic of Islam, can I expect that I will ever be called to inaugurate a madrassa or mosque? Will I be called to give a speech at Eidgah grounds, will any committee celebrating Eid honor me? First of all, representatives of the religion of Islam will never invite me to their place, but will I ever accept the respect given by them? I went to Durga Puja pandal and inaugurated a place, after knowing this some Muslims are telling me that I am not an atheist. What he meant to say was that he would have been very happy to have been an atheist. Like, they don't hate atheists. As if they have not killed civilians. People who know me also know very well that I am critical of fanaticism in every religion. Despite this, it is due to the generosity of Hindu religion that I am called as a judge in the Durga Puja Anand Mela, invited to receive Bhog Prasad, and honored by the Puja Committee. On the other hand, being a staunch critic of Islam, can I expect that I will ever be called to inaugurate a madrasa or a mosque? Will I be called to give a speech at Eidgah grounds, will any committee celebrating Eid honor me? First of all, representatives of the religion of Islam will never invite me to their place, but will I ever accept the respect given by them? I don't believe in religion, I believe in humanity. If any person is tortured in the name of religion, then I stand with that person, no matter what his religion is. I believe in celebration of man and humanity. I fight for the right of anyone who practices religion without harming others to practice that religion. Just as I see museums of art and culture around the world, I also see religious places of worship. I went to Andalusia, Spain just to see Muslim architecture. Religion does not create architecture, artists create architecture. The art of artists fascinates me. I have gone to the museums of Europe to see the artworks of Raphael, Leonardo da Vinci, Michelangelo etc. I have gone to see the statues of ancient Roman gods and goddesses. In Kochi, Kerala, I went to see the ancient synagogue of the Babylonian Jews. Similarly, I have gone to Konark in Odisha and Khajuraho in Madhya Pradesh to see the crafts and artwork of the temples. Obviously, many Muslims do not like my visiting Hindu temples. However, if they wish, they can invite me to participate in events related to Islam. If they wish, I can inaugurate the Vishwa Ijtema by cutting the ribbon, become the guest of Deoband event, and inaugurate Vaj gatherings by lighting a lamp. Just as people of Hindu community protect me during Hindu festivals, Muslims themselves will come forward and protect me during events related to Islam, this is what I want. There is no ego of any kind in this. It is not a hidden thing that fanatic Muslims in every corner of the country and the world are a threat to my security. These fundamentalists were instrumental in driving me out of Bangladesh, and these same people have been trying to silence my liberal voice for decades. In such a situation, there is naturally a greater threat to my safety in events related to Islam. I want the common Muslims to come out of their fanaticism and communal thinking. Will the Muslims who wish to take me to their religious functions be able to stand as a shield under my protection? Despite being an atheist, today I can participate in the Durga Puja of Hindus, because Hindu religion is not rigid, it is liberal. Despite being an atheist, I can still participate in Christian Christmas celebrations because Christianity is liberal and constantly improving. But people who are not Muslims cannot even enter the cities of Mecca and Medina, leave aside the matter of entering the mosque. People of other religions are not allowed to enter any mosque in any country during namaz. Islam is the only religion which says that no one except a Muslim will go to heaven. This means that those who are not Muslims, despite doing hundreds of good deeds, are not likely to go to heaven because they are not Muslims. However, changes are taking place in the religion of Islam. In many Muslim countries, saying triple talaq does not result in divorce and child marriage is also banned. There is a new kind of mosque in England, where women also get the opportunity to become Imam, and there men and women stand behind the female Imam and offer Namaz. But on the other hand, in this same period, Muslim fundamentalism has given rise to terrorism. The image of Islam has become such that many people in the world today, by saying Islam, consider them to be members of IS, Boko Haram and Al Qaeda. However, there are progressive people and progressive elements in the Muslim world. The responsibility of separating religion from the education system and law of Muslim countries rests on them. As long as this responsibility is not fulfilled, the threat of radical Islam will remain. My mother, steeped in religious faith, also read the Quran, IS people also read the Quran. My mother used to talk about being kind, IS members kill their opponents. My mother did not take the meaning of many parts of the Quran literally, she She used to give timely interpretation of those parts. IS people do not do this. There are many liberal and tolerant Muslims on this earth like my mother. But the irony is that such people are doomed to remain in the background. The Muslim society that we see on the surface is more fanatical and intolerant. To make Muslim society as liberal as other religions, it is necessary to snatch weapons from the hands of Jihadis. No government in the world will do the work of making Islam a religion of peace. For this, the Muslim society itself will have to be ahead, so that people can become educated, sensitive and generous.People of other religions are not allowed to enter any mosque in any country during namaz. Islam is the only religion.

ब्लॉक डिलारी सभागार में हुआ गौ संरक्षण एवं संवर्ध संवाद कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

डिलारी। मुरादाबाद के डिलारी ब्लॉक कार्यालय के सभागार में ग्राम प्रधानों के साथ जिला अधिकारी मुरादाबाद मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में गौ संरक्षण एवं संवर्धन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न बिंदुओं पर ग्राम प्रधानों को संबोधित किया गया। बुधवार को ब्लॉक डिलारी पहुंचे जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह का खंड विकास अधिकारी कार्यालय ब्लॉक प्रमुख एवं प्रधान ग्राम प्रधान और शिक्षा विभाग द्वारा गर्म जोशी से स्वागत हुआ। कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा गौ संरक्षण पर सभी ग्राम प्रधानों से संवाद स्थापित किया गया। कि मानवता के नाते हम सभी का फर्ज बनता है की लावारिस घूम रहे गोवंश पशुओं के संरक्षण में अपना योगदान दें। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार गोवंश पशुओं के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लेकिन अभी भी काफी दिक्कतें हैं। जिसमें जनमानस और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बहुत जरूरी है। जिलाअधिकारी मुरादाबाद द्वारा सभी ग्राम प्रधानों से कहा गया कि सभी लोग मानवता के नाते अपना थोड़ा-थोड़ा सहयोग अवश्य करें। ताकि हम इन गोवंश पशुओं के लिए अच्छे से अच्छा आश्रय बना सके. जिसमें सभी ग्राम प्रधान एवं ब्लॉक स्टाफ शिक्षा विभाग एवं सफाई कर्मचारीओ द्वारा जिला अधिकारी मुरादाबाद मानवेंद्र सिंह को 11 लख रुपए का चेक दिया गया। जिसमे ग्राम प्रधानों का 9 लाख का सहयोग और 60 हज़ार का शिक्षा विभाग की ओर से एवं 33 हज़ार सफाई कर्मियों द्वारा, और 14 हजार रोजगार सेवकों ने, व 25 हजार ब्लॉक प्रमुख तथा 70 हजार का सहयोग खण्ड विकास अधिकारी और स्टाफ ने किया है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मुरादाबाद मानवेंद्र सिंह ने कहा की प्रत्येक ब्लॉक में 2 गो आश्रय स्थल बनवाए जा रहे हैं। प्रत्येक गोवंश आश्रय स्थल को 10 ग्राम पंचायत से जोड़ा गया है। और ग्राम प्रधान गोवंश आश्रय स्थल पर सुपरविजन का कार्य करेंगे।प्रत्येक ग्राम पंचायत से दो-दो गोपालक मनरेगा से लिए जाएंगे

और 8-8 घंटे की ड्यूटी लगाई जाएगी। ग्राम पंचायत की जमीन से अवैध कब्जा हटवाकर श्रेणी 5 एवं 6 की जमीन पर हरे चारे की व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख पूनम देवी, चंद्रपाल सिंह , विकास खण्ड अधिकारी राजेश कुमार अग्रवाल, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्रा,सुमित यादव, समस्त रोजगार सेवक, समस्त सफाई कर्मी एव समस्त ग्राम प्रधानआदि उपस्थित रहे।

ABVP कार्यकर्ताओं ने डीएमके सरकार का फूंका पुतला, कहा- तिरंगे का अपमान करने वालों के खिलाफ हो कारवाई

मुरादाबाद- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइंस स्थित आंबेडकर पार्क में बुधवार को तमिलनाडु की डीएमके सरकार का पुतला फुका। प्रांत सहमंत्री सचिन सिंह ने कहा कि क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चेन्नई में खेले गए मुकाबले की शुरुआत में ही दर्शकों के हाथ से भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को छीनकर डस्टबिन में फेंक कर उसका अपमान किया। ऐसी गंभीर कृत्य के लिए डीएमके सरकार को देश के सामने माफी मांगनी चाहिए।

विभाग संयोजक अमन शर्मा ने कहा कि यह है डीएमके से संबंध अशोक सिगामनी के नेतृत्व में तमिलनाडु पुलिस व टीएनसीए द्वारा भारत की आन बान शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को कूड़ेदान में फेंकना राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को अपमानित करने वाला कृत्य हैं। जो बेहद चिंता का विषय है। जो एक षड्यंत्र के तहत किया गया है। जिसके लिए तमिलनाडु पुलिस के जवानों पर जो इस कृत्य में सम्मिलित थे जल्द से जल्द कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर प्रदेश से मंत्री सचिन सिंह, विभाग संयोजक अमन शर्मा, महानगर सहमंत्री गौरव क्षत्रिय, अश्मित चौधरी, अमित कुमार, सनी सिंह, छविनाथ अरोड़ा, ईशान यादव, अनिकेत चौहान, अंशुल सैनी, अनिकेत आदि मौजूद रहे।

आतिशबाजी के चलते बढ़ा महानगर में वायु प्रदूषण, एक्यूआई में उछाल

मुरादाबाद- दशहरे पर आतिशबाजी से महानगर में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। बुधवार की सुबह महानगर के जिगर कॉलोनी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़ने से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। इसको देखते हुए नगर निगम प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। अब दिवाली तक आतिशबाजी का क्रम जारी रहने से प्रदूषण के बढ़ते स्तर से लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। मंगलवार-बुधवार को महानगर में कई रामलीला समितियों की ओर से रावण, मेघनाद, कुंभकर्ण के पुतले दहन करने के दौरान की गई आतिशबाजी से महानगर व आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर बढ़ने से सुबह लोगों को दिक्कत हुई। वहीं सड़क की खोदाई कर जहां-तहां छोड़े गए मिट्टी के ढेर से उड़ रही धूल भी प्रदूषण बढ़ने की वजह बन रही है। बुधवार की सुबह महानगर के जिगर कॉलोनी में एक्यूआई 124 पीएम (प्रतिघन मीटर), बुद्धि विहार में 101, कांशीराम नगर में 105, ट्रांसपोर्ट नगर में 111, सेवायोजन कार्यालय 92, दिल्ली रोड स्थित इको हर्बल पार्क क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 117 अंक रिकॉर्ड किया गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक का ग्राफ स्मार्ट सिटी मिशन की ओर से महानगर के 10 स्थानों पर लगे एक्यूआई मॉनीटर सेंटर पर लगे डिजिटल स्क्रीन पर डिस्पले भी होता रहा। इसको लेकर नगर निगम प्रशासन की चिंता भी बढ़ी। निगम प्रशासन की ओर से शाम को तीन स्प्रिंकलर मशीन से पेड़ों पर पानी का छिड़काव कराने के लिए गाड़ियां निकलीं। नगर निगम के प्रभारी पर्यावरण अभियंता अभिषेक कुमार ने बताया कि वायु प्रदूषण बढ़ना जन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इससे सांस लेने में दिक्कत होती है। इसको देखते हुए सूचकांक बढ़ने पर स्प्रिंकलर मशीन से पेड़ों पर पानी का छिड़काव कराते हैं। फिलहाल निगम के पास तीन स्प्रिंकलर है, जल्द ही तीन और मिल जाएंगी। इसके अलावा लोगों को वायु प्रदूषण न फैलाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके खतरे के बारे में बताकर लोगों को सतर्क करते हैं। उन्होंने बताया कि दिवाली व अन्य त्योहार में पर्यावरण हित का ध्यान रखने के लिए नुक्कड़ नाटक, गोष्ठी आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक करेंगे। महानगर में 10 स्थानों पर वायु गुणवत्ता मापन स्टेशन स्थापित है।

सुबह जिगर कॉलोनी में एक्यूआई 124, बुद्धि विहार में 101, कांशीराम नगर में 105, ट्रांसपोर्ट नगर में 111, सेवायोजन कार्यालय में 92, दिल्ली रोड स्थित इको हर्बल पार्क क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 117 रिकॉर्ड किया गया

यह हैं एयर क्वालिटी इंडेक्स के मानक

वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 60 माइक्रो ग्राम प्रतिघन मीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। 50 अंक से अधिक होने पर वायु प्रदूषण जन स्वास्थ्य के लिए खतरा बनता है। नगर निगम के प्रभारी पर्यावरण अभियंता अभिषेक कुमार ने बताया कि वायु प्रदूषण में वास्तविक समय के आधार पर होने वाले परिवर्तनों का माप वायु गुणवत्ता सूचकांक है। 0-500 की सीमा के साथ वायु प्रदूषण की मात्रात्मक माप है। वायु गुणवत्ता मानक 50 या उससे नीचे का मान अच्छी वायु गुणवत्ता का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि 300 से अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक मान खतरनाक वायु गुणवत्ता का प्रतिनिधित्व करता है।

लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों को गठबंधन धर्म का डर

मुरादाबाद- सपा, रालोद से जुड़े नेता खुल कर नहीं कर पा रहे तैयारी, कांग्रेस में राजबब्बर-अजहरूद्दीन के नाम की चर्चामुरादाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले दलों के इच्छुक प्रत्याशियों को अभी से गठबंधन धर्म का डर सता रहा है। गठबंधन में सीट बंटवारे में किसके हक में यहां की सीट जाएगी इसको लेकर असमंजस है। भाजपा में प्रत्याशी को लेकर कोई एक नाम स्पष्ट नहीं है। जबकि सपा, बसपा, कांग्रेस, रालोद आदि संगठन चुनाव पूर्व गठबंधन को लेकर अभी पशोपेश में हैं। जिले की लोकसभा सीट वर्तमान में समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. एसटी हसन के पास है। वह लोकसभा में पार्टी के नेता भी हैं। ऐसे में उनकी फिर से दावेदारी भी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि कई नये चेहरे भी इस सीट पर दावेदारी कर रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस से कभी राजबब्बर, कभी अजहरूद्दीन के नाम राजनीतिक गलियारों में तैर रहे हैं तो कई नये चेहरे भी चुनावी रणभूमि में उतरने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। सत्ताधारी दल होने के चलते टिकट की सर्वाधिक दावेदारी भाजपा में ही है। पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह के अलावा भाजपा के एक पूर्व राज्यसभा सांसद और एक पूर्व जिलाध्यक्ष का नाम चर्चा में है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के गृह जनपद की सीट जीतना चुनौती = भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के कंधे पर यूं तो प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत का दारोमदार है। लेकिन, उनके गृह जिले मुरादाबाद में लोकसभा सीट इस बार जीतना पार्टी और खुद उनके लिए नाक का सवाल है। हालांकि यह बड़ी चुनौती साबित हो रही है। क्योंकि पिछला चुनाव भाजपा हार चुकी है।

के जिलाध्यक्ष

गठबंधन को लेकर निर्णय पार्टी हाईकमान लेगा। इस सीट पर वर्तमान में जनता का रुझान कांग्रेस की ओर है। जिसे भी पार्टी प्रत्याशी बनाएगी सभी मिलकर जिताएंगे। कांग्रेस हमेशा जनता के बीच रही है और रहेगी। इसलिए यहां की जनता ने कांग्रेस को चार बार यहां से अवसर दिया था। - असलम खुर्शीद, जिलाध्यक्ष कांग्रेस

टिकट वितरण में कोई अड़चन नहीं है। राष्ट्रीय नेतृत्व जो भी निर्णय लेगा सभी उसके साथ रहेंगे। सबका ध्येय जनता को झांसे में रखकर सत्ता में आई भाजपा को बेदखल करना है। सपा हमेशा देशहित की सोच रखती है। चुनाव की तैयारी बूथ स्तर तक चल रही है। -डीपी यादव, जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी

भाजपा कार्यकर्ता व कैडर आधारित पार्टी है। जनता के बीच रहकर हम हमेशा जनहित के लिए समर्पित रहने वाले हैं। टिकट किसको देना है यह पार्टी का प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। जो भी प्रत्याशी होगा उसे जिताने के लिए हर पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्राणप्रण से जुटेंगे। इस समय वोट चेतना अभियान व बूथ सशक्तीकरण पर जोर है। -आकाश पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष

राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के नेतृत्व में पार्टी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी। हर विधानसभा क्षेत्र के सेक्टरों में कैडर कैंप चल रहा है। इसमें पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की नीतियों व समतामूलक समाज की संकल्पना को मजबूत कर रहे हैं। -डॉ.सुनील आजाद, बसपा जिलाध्यक्ष

सर्वाधिक चार बार कांग्रेस-सपा ने दर्ज की है जीत

मुरादाबाद लोकसभा सीट पर 1952 से अब तक हुए 17 लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार यह सीट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास रही है। 1952 व 1957 में पार्टी के टिकट पर रामसरन ने जीत दर्ज की थी। इस सीट पर जनता पार्टी ने दो बार जीत कर अपना झंडा बुलंद किया। भाजपा को केवल 2014 के चुनाव में जीत हासिल हुई है। जब कुंवर सर्वेश सिंह ने यहां से जीत दर्ज कमल खिलाया था।

क्या कहते हैं दलों

कार की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत, दंपति समेत तीन घायल

मुरादाबाद- दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बुधवार को कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति समेत तीन लोग घायल हो गए। इनमें दंपती के पौत्र की मौत हो गई है। हादसा मूंढापांडे थाना क्षेत्र में हाईवे पर पराग फैक्ट्री के सामने हुआ। पुलिस ने कार सवार को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह 9.30 बजे सुरेश पाल सिंह पत्नी माया देवी व पौत्र संग बाइक से घर लौट रहे थे। तभी पीछे से आ रही कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दंपति व उनका पौत्र सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

अधिक चोट लगने से पौत्र मरणासन्न स्थिति में था। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने सुरेश पाल के पौत्र शिवम (16) पुत्र लोकेश को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना में घायल सुरेश पाल व उनकी पत्नी को परिजन जिला अस्पताल से रेफर कराकर कॉसमॉस ले गए। सुरेश पाल सिंह संभल जिले में कुढ़फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के सराय ज्चालापुरी के निवासी हैं। उधर, कार चालक ओमपाल सिंह निवासी मुजफ्फरपुर थाना बाबूगढ़ जिला हापुड़ को घटनास्थल के आसपास के लोगों की मदद से पुलिस ने पकड़ लिया है। हादसे में घायल सुरेश और उनकी पत्नी की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है। परिवार वालों ने बताया कि सुरेश काशीपुर में एक शादी समारोह में गए थे, जहां से वह सुबह लौट रहे थे। बाइक उनका पौत्र शिवम ही चला रहा था।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की स्थापना दिवस 27 अक्टूबर को सफल बनाने के लिए जिला कार्यकारिणी की बैठक की

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की अहम बैठक अलीगढ़ जिला कार्यालय धनीपुर मंडी लकी हॉस्पिटल के सामने कृष्णा नगर कॉलोनी गली नंबर 1 पर जिला कार्यालय अलीगढ़ की बैठक की गई जिसमें अलीगढ़ सभी विग के जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे 27 अक्टूबर को होने वाले स्थापना दिवस के बारे में सभी कार्यकर्ताओं का मंथन हुआ व सोहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर जी के विचारों को व्यक्त किया व 21 वे पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने रूपरेखा बनाई सभी ने अपने विचार व्यक्त किये व कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल शर्मा जी अलीगढ़ मंडल कोऑर्डिनेटर पंकज शर्मा जी अलीगढ़ जिला अध्यक्ष अमित जादौन जी महानगर अध्यक्ष सोनू जादौन जी अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शकील अल्वी जी महिला जिला अध्यक्ष अलका शर्मा जी महानगर महिला अध्यक्ष पूनम सिंह जी किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष किशन सिंह जी युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह जी पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष रामकुमार कुशवाहा जी महिला महानगर छात्र नेता अनुष्का यादव जी महिला छात्र नेता भूमि शर्मा जी कोल विधानसभा अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह जी छर्रा विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र सिंह जी जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह जी महिला जिला उपाध्यक्ष रचना चौधरी जी व महानगर महिला नेताओं समेत पार्टी की तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे

रीवा चाकघाट आदर्श आचार संहिता के बहाने जन सेवा छोड़ धन बसूली में जुटे चाकघाट थाने के सिपाही

क्यूँ न लिखूँ सच
अखिलेश कुमार तिवारी

चाकघाट- रीवा जिले के मध्यप्रदेश उत्तरप्रदेश के बॉर्डर से सटे चाकघाट थाना क्षेत्र से एक वीडियो वायरल हो रहा है जहा के सिपाही शशिकांत तिवारी अपनी नाइट ड्यूटी के दौरान आये दिन आदर्श आचार संहिता के बहाने प्राइवेट वाहनों को रोककर अवैध रूप से वसूली करते थे जो बीती रात्रि अवैध राशि बसूलते हुए कैमरे में नजर आ रहे हैं। जिसका वीडियो सोसल मीडिया में जोरों से वायरल हो रहा है जो जिला निर्वाचन अधिकारी एवं रीवा पुलिस अधीक्षक के निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे है और रीवा पुलिस अधीक्षक के विवेक सिंह के बेहतरीन कार्यो पर दाग लगाने का कार्य कर रहा है। वसूली का वीडियो देखकर आमजन मानस का कहना है कि ये चाकघाट थाना का ही नही जिले के सभी थानों में थाना प्रभारी के सह पर एक दो सिपाही आये दिन बसूली करते रहते है शिकायत भी होती है लेकिन कभी कार्यवाही नही होती है इसी बजह से उनके हौशले बुलंद रहते है जिसके लिए ऐसे सिपाहियों पर सख्त कार्यवाही होना चाहिए। बताते चले कि एक तरफ पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन आदर्श अचार संहिता को पालन कराने में जी तोड़ मेहनत कर रहे है दूसरी तरफ सिपाहियों के इस तरह का कारनामा शर्मनाक है सवाल यही कि इस तरह से खुलेआम वसूली का कार्य करने के लिए किसका संरक्षण प्राप्त है क्योंकि बिना संरक्षण के किसी सिपाही में इतनी हिम्मत नही होती कि रीवा पुलिस अधीक्षक के आदर्शों की धज्जियां उड़ा सके। देखना यही होगा कि क्या वीडियो सामने आने के बाद उच्च पुलिस अधिकारी ऐसे भ्रष्ट सिपाही पर कार्यवाही करेगे या दिखाने के लिए स्थानांतरण करने की कार्यवाही करेगे। हकीकत क्या है ये तो सही जांच के बाद ही कहा जा सकता है

ट्रक की टक्कर से दंपति घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़- अलीगढ़ अकराबाद। थाना क्षेत्र के बाबा कोल्ड स्टोर के पास सुवह ट्रक के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाईक पर सवार दंपत्ति घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंचे चौकीं इंचार्ज पनैठी योगेंद्र कुमार ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। थाना विजयगढ़ के गांव करेला निवासी नौबत सिंह उर्फ पप्पू पुत्र किशन लाल धनीपुर किराए पर रहता है पेपर डालने का कार्य करता सूचना लगते ही भारतीय हलदर किसान यूनियन के प्रदेश महा सचिव राकेश सिंह पूर्व प्रधान मौके पर पहुंचे घायल कर जाना हाल-चाल

पुलिस कालोनी बैढ़न डांडिया कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों की पत्नियों ने दी शानदार प्रस्तुति

क्यूँ न लिखूँ सच
अखिलेश कुमार तिवारी

सिंगरौली - शारदेय नवरात्रि के पावन अवसर पर सप्तमी को मां कालरात्रि के दिन जिलेभर में भक्तगणों ने घरों , मंदिरों एवम पंडालों में विधिवत पुजा अर्चना किए वही सप्तमी के दिन दुर्गा पंडालों में बच्चो एवम महिलाओ ने सामूहिक नाइट डांडिया , गढ़बा , भक्ति गीत की प्रस्तुति कर नवरात्रि का आनंद लिए इसी क्रम में बता दे कि पुलिस कालोनी बैढ़न में उपनिरीक्षक की पत्नी श्रीमती आकांशा पाठक के नेतृत्व में 5 अक्तूबर से पुलिस कर्मियों की पत्नियों , बच्चो को डांडिया का अभ्यास करवाया जा रहा था और इस डांडिया की प्रभारी भी श्रीमती आकांशा पाठक ही थी । पुलिस कालोनी बैढ़न में 19 अक्टूबर से 21 अक्टूबर यानी की पंचमी से सप्तमी तक तीन दिन डांडिया का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमे 21 अक्टूबर सप्तमी को फाइनल कार्यक्रम था और इस कार्यक्रम डांडिया प्रभारी श्रीमती पाठक के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया था कार्यक्रम की शुरुआत सायं 8 बजे मां कालरात्रि की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित , आरती कर किया गया वही बच्चो ने देशभक्ति गीत के साथ नृत्य की प्रस्तुति दिए और पुलिस कर्मियों की पत्नियों ने गरबा नृत्य करते हुए डांडिया की अच्छी प्रस्तुति दी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला योग समिति सिंगरौली अध्यक्ष डाक्टर अश्वनी तिवारी , विशिष्ठ अतिथि के रूप में योगासन भारत सिंगरौली अध्यक्ष डाक्टर आर.डी पाण्डेय , योग की राष्ट्रीय जजेज श्रीमती स्वप्निल श्रीवास्तव एवं योग शिक्षक निगाही श्रीमती पुष्पलता सिंह रही वही डांडिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवम विशिष्ठ अतिथियों को पुलिस कर्मियों की पत्नियों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया । वही कार्यक्रम दौरान मुख्य अतिथि जिला योग समिति सिंगरौली अध्यक्ष डाक्टर अश्वनी तिवारी ने कहा कि इस पुलिस कालोनी में जो इस डांडिया एवम कार्यक्रम की प्रभारी एवम जिला योग समिति जिला कार्यकारिणी सदस्य आकांक्षा पाठक द्वारा सभी महिलाओ एवम बच्चो को बहुत ही अच्छा अभ्यास कराया गया है तथा इस पुलिस कालोनी बैढ़न में बहुत ही अच्छी शुरुआत हुई है और हमेशा इस तरह के अच्छे कार्यक्रम होते रहे जिससे महिलाओ , बच्चो के शारीरिक , मानसिक , बौद्धिक के विकास के वृद्धि होगी और सकारात्मक विचार , कार्यो की ओर मन लगेगा तथा समाज में महिलाए के बीच एक अच्छा संदेश जाएगा । वही विशिष्ठ अतिथि योगासन भारत सिंगरौली अध्यक्ष डाक्टर आर.डी पाण्डेय ने कहा कि डांडिया प्रभारी के नेतृत्व में बहुत ही अच्छा आयोजन किया गया है इसके लिए पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं साथ ही श्री पाण्डेय ने कहा कि अपने शरीर को स्वस्थ , फिट रखने के लिए योग , प्राणायाम , ध्यान आवश्यक करे योग करने से आपके जीवन में हमेशा सकारात्मक विचार , मस्तिस्क तेज कई तरह के लाभ प्राप्त होगे । वही डांडिया में सहभागिता लेने वाली पुलिस कर्मियों की पत्नियों एवम बच्चो को पुरस्कार भी दिया गया वही इस डांडिया कार्यक्रम का सफल संचालन पुलिस विभाग कार्यक्रमों में स्पीकर एएसआई सुरेंद्र पाण्डेय ने किया । इस मौके पर एनसीएल बीना प्रोजेक्ट (जीएम) वरिष्ठ अधिकारी (सर्वे.) पुष्प सिंह श्रीवास्तव , साहित्यकार सुरेश गिरी प्रखर , पत्रकार ओम प्रकाश तिवारी , किरण केशरी , नीता विश्वकर्मा , रेनू बागरी , रूपा सिंह , पिंकी , कविता तिवारी , ज्योति , निधि , मालती , प्रीति सहित पुलिस कर्मियों की पत्नियों , बच्चे उपस्थित रहे।

चाकघाट थाने की कानून व्यवस्था भगवान भरोसे, कानून व्यवस्था का रक्षक बनकर थाने के सामने अवैध वसूली करते कैमरे में हुआ कैद

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

रीवा- जिले के यूपी-एमपी सीमा चाकघाट बॉर्डर का है,... जहां एक सैनिक प्राइवेट वाहनों से अवैध वसूली करता सोशल मीडिया में वायरल वीडियों इस बात की गवाही दे रहा है कि यह की व्यवस्था कितनी चुस्त-दुरुस्त है,... मिली जानकारी के अनुसार यह वीडियों होमगार्ड सैनिक शशिकांत तिवारी का है जो प्राइवेट वाहनों से वसूलती करता हुआ नजर आ रहा है,... वहीं वसूली स्थल की बात करे तो यह दृश्य थाने के सामने हाईवे का है,... वीडियों में सैनिक द्वारा पिकअप सहित अन्य वाहनों से भी प्रति वाहन 200 रूपये वसूलने की बात की जा रहीं है,... बता दे कि क्षेत्र में असामाजिक तत्व, अपराधियों व अवैध कारोबारी का दिन-रात बोलबाला है जिसपर विराम नहीं लग पा रहा है,... आखिर लगे भी क्यों जब यह भूसा वाहन, भैंस बकरियों के वाहन, अन्य अवैध कार्य पर लेनदेन करने में व्यस्त है,... बता दें कि यह मामला पहला नहीं है और यह प्रतिदिन-दिनभर की कहानी है,... जहां इससे स्पष्ट है कि इसमें इनका अकेले का रोल नहीं है व इसमें किन-किन का रोल है यह जांच का विषय है,... क्षेत्र में आचार संहिता लगी हुई है परन्तु थाने के आसपास हो या ग्रामीण क्षेत्र इसका किसी भी प्रकार से प्रभाव नहीं दिख रहा है,... अगर बात करें थाना परिसर की तो दलाल एवं अवैध कार्य में सम्मिलित लोगों का जमवाड़ा लगा रहता है,... फिलहाल पूरे मामले में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्या एक्शन लिया जाता है व अव्यवस्थाओं पर कितनी पहल होगी आने वाले समय पर ही पता चल सकेगा।

अलीगंज में एक बंगाली क्लीनिक सील तो दो को थमाऐ गऐ नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा ! मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में आज दशहरा के पर्व पर भी स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जिले में बढ रही झौलाछाप चिकित्सकों की अमर बेल को छांटने के उद्देश्य से तहसील अलीगंज के सराय रोड पर डा. म्रत्युजंय विश्वास के बंगाली क्लीनिक को जहां सील किया है तो वहीं सराय रोड पर ही दूसरे बंगाली झौलाछाप चिकित्सक एन.के. विश्वास सहित बिथरा भट्टे के निकट फर्जी तरीके से संचालित पांच बैड के जे.एस.हैल्थकेयर हॉस्पीटल को नोटिस तामील कराया है ! अवैध चिकित्सा व्यवसाय के नोडल डिप्टी सीएमओ डा. सर्वेश कुमार ने बताया कि सील किऐ गऐ बंगाली क्लीनिक के सन्दर्भ में क्षेत्रिय जागरूक लोगों द्वारा जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिहं को भी शिकायतें प्रेषित की गयी थी ! डा. सर्वेश कुमार ने आगे बताया कि समूचे जिले में बडे स्तर पर झौलाछाप डाक्टरों के विरूद्द चरणबद्द तरीके से कार्यवाही की जा रही है !

विजयादशमी पर पिपराही चौकी में हुआ शस्त्र पूजन, चौकी प्रभारी समेत स्टाफ रहा मौजूद

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की विजय के पर्व विजयादशमी पर पुलिस विभाग में भी शस्त्र पूजन करने की परंपरा है।इसी परंपरा के अनुसार शस्त्र पूजन के लिए पिपराही चौकी प्रभारी प्रज्ञा पटेल ने बकायदा शस्त्र सजाकर रखे थे,मौजूद पंडित ने मंत्रोच्चारण एवं पूरे विधि विधान से शस्त्र पूजन एवं वाहन पूजन अनुष्ठान संपन्न कराया।साथ ही क्षेत्र की खुशहाली एवं उन्नति के लिए हवन का भी आयोजन किया गया।शस्त्र पूजन एवं हवन कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत पिपराही चौकी प्रभारी प्रज्ञा पटेल के द्वारा उपस्थिति सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुंह मीठा कराने के साथ ही समस्त क्षेत्र वासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी गयी। इस मौके पर चौकी प्रभारी प्रज्ञा सिंह पटेल ने कहा कि पूर्व की परंपरा के अनुसार दशहरा पर्व पर पुलिस विभाग में थानों में शस्त्रों का पूजन किया जाता है।जिसके चलते जवा थाने में पंडित द्वारा शस्त्रों का पूजन कर सभी को रक्षा सूत्र बांधे गए है। चौकी प्रभारी प्रज्ञा पटेल ने कहा कि आज के दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है,इसलिए हमें सभी बुरे कार्यो का त्याग कर अच्छे कार्यो की ओर कदम उठाना चाहिए।जिससे आज का दिन सार्थक हो। चौकी प्रभारी ने चौकी के सभी कर्मचारियों से कहा कि आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण आचार संहिता का पालन करने का सुझाव दिया साथ क्षेत्रवासियों से प्रेम एवं सद्भाव से इस त्योहार को मनाने की अपील की

दंगल का फीता काटकर किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- भारतीय किसान यूनियन स्वराज के नगरध्यक्ष अनुराग पांडे उर्फ चंदन ने दंगल का फीता काटकर किया शुभारंभ पटियाली रामलीला मेला कमेटी में विशाल दंगल का आयोजन किया गया दंगल का शुभारंभ अनुराग पांडे उर्फ चंदन नगरध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन स्वराज ने फीता काटकर किया और मेला कमेटी के द्वारा आए हुए

सभी स्वराज के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को फूलमाला व शौल उड़कर किया स्वागत इस मौके पर पंडित ललित कुमार मिश्रा, धीरेन्द्र यादव उर्फ धीरू, लियाकत मंसूरी,आमिर पठान,टैनी राठौड़, फरमान, अनेक सिंह बघेल,इसरार खां,मु शाहिद,कल्लू प्रधान, करने मिश्रा आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।।

हरियाणा में लाठी चार्ज एवं किसान उत्पीड़न से किसानों में आक्रोश 11.12.2023 को एटा में किसान महापंचायत होगी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- अंग्रेजों की तरह हरियाणा में लाठी चार्ज एवं किसान उत्पीड़न से किसानों में आक्रोश 11.12.2023 को एटा में किसान महापंचायत होगी अखिल भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले एटा सदर तहसील सहित प्रदेश की सभी तहसीलों में संगठन के पदाधिकारी / कार्यकर्ताओं की मासिक पंचायत संपन्न हुई युक्त पंचायत में सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश के धान के किसानों पर हरियाणा पुलिस एवं एटा मंडी सहित उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अनेक स्थानों पर अंग्रेजों की हुकूमत की तरह लाठीचार्ज किया जा रहा है जिसे किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जाएगा अगर किसान आलू की फसल का उत्पादन करने के लिए धान के खेत के डूठ को भी जलाता है तो भी प्रदूषण का हवाला देकर किसानों पर शासन प्रशासन द्वारा मुकदमा पंजीकृत कर जुर्माना लगाते हुए अत्याचार किया जा रहा है तथा सत्तासंरक्षित माफिया एवं राजनेताओं के उत्पीड़न की वजह से कानपुर, मैनपुरी आदि में किसानों को आत्महत्या करने के लिए बाध्य करना तथा किसानों के साथ तहसील, थाने, विद्युत, कृषि, उद्यान, पशुपालन, सिंचाई आदि विभागों द्वारा भ्रष्टाचार के रूप में लूट मची हुई है उक्त परिस्थितियों की वजह से किसान मजदूर नौजवानों में काफी आक्रोश व्याप्त है उक्त मासिक पंचायत में सामूहिक रूप से तय किया गया है कि किसान, मजदूर, नौजवानों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान हेतु 11.12.2023 को एटा कचहरी स्थित धरना स्थल पर किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा उक्त महापंचायत से पहले शासन प्रशासन, किसानों की लंबित समस्याओं सहित वर्तमान समस्याओं का तत्काल समाधान कराया जाए अन्यथा की स्थिति में सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी उक्त पंचायत के अंत में महामहिम राष्ट्रपति महोदया, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव गृह आदि के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी एटा के माध्यम से भिजवाया अंत मे ज्ञापन नायव तहसीलदार एटा को सोपा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से:- राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल संघर्षी, राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र शास्त्री, प्रदेश महासचिव रघुवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण मुरारी प्रधान, प्रदेश सचिव हाकिम सिंह वर्मा प्रधान अड़ंगा, प्रदेश संगठन मंत्री प्रदीप अहीर, मंडल उपाध्यक्ष जदुवीर सिंह नेताजी, जिला अध्यक्ष पिंकी भैया, जिला उपाध्यक्ष मनदीप यादव - दिनेश पाल सिंह - भगवान सिंह वर्मा, युवा जिला अध्यक्ष सचिन कुमार, धनीराम राजपूत, सुखबीर सिंह, सोनू डीलर, डॉ बलबीर सिंह, सूरजपाल वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा प्रधान, राजू भैया, ड्रा0 पंकज यादव, ताराचंद जाटव, रामनरेश सिंह, राजेंद्र सिंह, शकुंतला देवी सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

जलवायु परिवर्तन विश्व को बड़ी चुनौती -डाक्टर चंचल श्रीवास्तव

क्यूँ न लिखूँ सच

बायोडाइवर्सिटी संरक्षण के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन के करण वायु प्रदुषण कारक, प्रभाव उत्तर भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण आप ने अचानक मौसम में ठंडक और गर्मी दोनों का अनुभव किया होगा। सुबह और शाम होते ही धुंध के साथ धूल के कण मिलकर 卐महा-फाग卐 में बदल जाते हैं ।यह फाग के निर्माण की अवस्था कहलाती है राजधानी दिल्ली के साथ कई अन्य राज्यों एक्यूएल100 बढ़ता जा रहा है। वहीं यदि हम छोटे शहरों की बात करें तो बरेली महानगर जैसे भी शहर अछूते नहीं हैं ।दो-तीन दिन के अंतर्गत बरेली सिविल लाइंस, सुभाष नगर जैसे कई स्थानों पर एक्यूएल100 से 125 एक तक पहुंच गया है। आने वाले समय में और भी बढ़ सकता है। वायु प्रदूषण बायोडायवर्सिटी को हानि पहुंचाने का सबसे बड़ा कारक है। क्योंकि जैविक चक्र बायोटिक और एबायोटिक फैक्टर (जल स्त्रोत,फसल चक्र,जीव-जंतु, पेड़-पौधे,पक्षी के एवं मानव में भी शारीरिक, मानसिक एवं रासायनिक परिवर्तित) के कारण मानसिक स्ट्रेस,थकान,श्वास रोग, इरिटेट, गुस्सा आना आदि लक्षणों दिखाई देने लगते हैं तकनीकी का उपयोग करते हुए बायोडायवर्सिटी को सुरक्षित रखने के लिए सरकार, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं शैक्षिक क्षेत्र को ठोस कदम उठाने होंगे। लेकिन हम छोटे-छोटे प्रयासों से कहीं ना कहीं बचाओ और सुरक्षा के दृष्टि से जन -जागरूक अभियान का हिस्सा बन सकते हैं।

रावण दहन कर, असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयदशमी मनायी गयी

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर में विजय दशमी का पर्व नवीन मेला ग्राउन्ड में रावण जलाकर मनाया गया । रावण जलने के समय हजारों की संख्या में राम के भक्त वहाँ देखने को मिले। जो असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक देखा गया। जिसमें रावण को जलाकर पूरे नगर में दशहरे का पर्व घरों से लेकर मन्दिरों में बडे धूमधाम तरीके के साथ पूरे क्षेत्र में विजय दशमी का पर्व देखने को मिला । दफ्तरों में अवकाश होने के कारण अफसरों ने भी अपने-अपने घरों में ही अपने परिवार के साथ दशहरे की पूजा एवं अपने अस्त्र शस्त्रों की पूजा अर्चना के साथ त्यौहार मनाया ।क्योकि विजय दशमी हिन्दूओं का एक प्रमुख त्यौहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि में यह मनाया जाता है। इसी दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था ।इसी कारण इसे असत्य पर सत्य की जीत के नाम से जाना जाने लगा । इसलिये दशमी को विजय दशमी के रुप में मनाया जाने लगा। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है अन्य दो है चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा है। इसी कारण से इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ भी करते हुये शस्त्र पूजा करते है। क्योकि प्राचीन काल में राजा लोग इसी के साथ रण यात्रा के लिये प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेला भी लगाया जाता है। रामलीला का आयोजन भी विजय दशमी के रुप में मनाया जाता है। रावण का विशाल पुतला जलाकर उसे जलाया जाता है। विजय दशमी भगवान राम की विजय के रुप में मनाया जाता अथवा दुर्गा पूजा के रुप में दोनों ही रुपों मे यह शक्ति पूजा के रुपों में यह शक्ति पूजा पर्व होता है शस्त्र पूजन की तिथि भी होती है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो मत्सर , अहंकार , आलस्य , हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है। वही मैसूर का दशहरा देशभर में विख्यात है। वही द्रविड प्रदेशों में रावण दहन का आयोजन नही किया जाता है। नगर में बडे धूमधाम तरीके के साथ रावण का दहन किया गया । साथ ही कुम्भकर्ण, मेघनाद का भी पुतला का दहन किया गया । इसी के साथ पूरे नगर में पुलिस भी अपनी छावनी बनाये हुये देखने को मिली । नगर के स्थानीय अधिकारी उपजिलाधिकारी गोपेश तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीकान्त गौतम , कोतवाली प्रभारी जे. पी. पाल के साथ अधिशासी अधिकारी सर्वेश कुमार एवं पालिकाध्यक्ष श्रीमती शशि श्रीवास, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि आयुष श्रीवास के साथ नगर पालिका स्टाफ एवं भारी संख्या में फोर्स अपनी निगरानी रखे देखने को मिला।

दुर्गा मां की मूर्ति का हुआ विसर्जन, भावुक हुए श्रद्धालु

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नौ-देवी व्रत की धूम के बाद आखिरकार मां से विदाई का समय आ ही गया। बुधवार को होली चौराहा मन्दिर में ब्राजमान मां दुर्गा की प्रतिमा पूरे विधि-विधान से विदाई से पूर्व उनकी भव्य शोभायात्रा नगर में निकली गई। महन्त पूरन लाल, पूर्व चेयरमैन राकेश कुमार उर्फ आर के कश्यप, सभासद वीरपाल कश्यप,कमलेश गंगवार पूर्व सभासद पप्पू कश्यप, सभापति कमलेश गंगवार, उमाकांत, राजेश कश्यप,प्रेम कश्यप,पोशाकी लाल साहू,सिमरन,सलौनी, गायत्री, गुड्डु, संजीव कश्यप,अवि कश्यप,रमेश कनौजिया,रवि पटेल अमित पटेल सहित सैकड़ों भक्तों ने माता रानी की विसर्जन यात्रा में हिस्सा लिया ।शाम सात बजे रामगंगा में विसर्जित किया गया ।इस मौके पर भारी पुलिस फ़ोर्स भी मौजूद रहा।

झाँसी की ऐतिहासिक धरोहर कला मंदिर को मिटाने का किया जा रहा प्रयास

शिकायतों के बाद भी प्रशासन बेसुध, ऐतिहासिक इमारत कला मंदिर हुई ध्वस्त

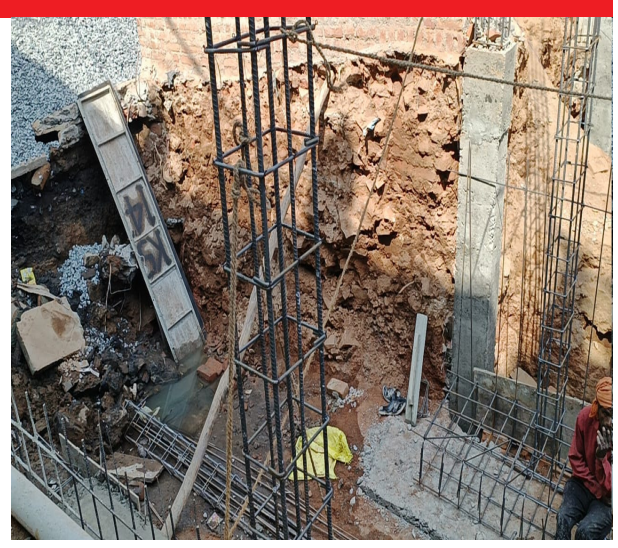

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। संपूर्ण विश्व में हमारे जनपद को झांसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई के नाम से जाना जाता है जिन्होंने प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेजों को खदेड़कर स्वयं को नारी शक्ति के रूप में स्थापित किया बहुत कम ऐसे उदाहरण देखे गए हैं। जब किसी महिला द्वारा आक्रमणकारियों के विरुद्ध युद्ध कर वीरता का उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। रानी झांसी से संबंधित सभी ऐतिहासिक स्थलों को पुरातत्व विभाग ने अपने अधीन ले रखा है लेकिन कुछ स्थान ऐसे हैं जो पुरातत्व विभाग की अनदेखी के कारण दबंग भूव्यवसाईयों द्वारा कब्जा किये जा रहे हैं। झाँसी के शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पुरानी पसरट में मनोरंजन स्थल कला मंदिर टॉकीज जिसे कुछ भूव्यवसाइयों द्वारा कब्जे में लिया जा रहा है इस ऐतिहासिक स्थल पर बना हुआ मंदिर पूर्व में ही ध्वस्त किया जा चुका है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को नष्ट कर वहां बहुमंजिला मार्केट बनाया जा रहा है जिससे भूव्यवसाईयों के करोड़ों में वारे न्यारे होने जा रहे हैं, इस ऐतिहासिक स्थल के नीचे एक सुरंग भी है जो किले तक जाती है जहां धन होने का लालच भी दबंगों को इस ओर आकर्षित कर रहा है जबकि यह स्थल आजादी के पूर्व से ही झाँसी प्रशासन के अधीन था लेकिन जिले के दबंग भूव्यवसायी इतिहास को धन के लालच में धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक इमारत को बचाने के लिए कई संगठनों द्वारा शिकायत जिला प्रशासन से की गई लेकिन इस संबंध में प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसके चलते दबंग के हौसले बुलंद है और वे लगातार अवैध रूप से निर्माण कार्य करते चले आ रहे हैं। इस ओर जिला प्रशासन, पुरातत्व विभाग और मनोरंजन विभाग सहित झाँसी विकास प्राधिकरण और नगर निगम को भी अपना ध्यान आकर्षित करना होगा एवं ऐसे ऐतिहासिक स्थलों को चिन्हित करना होगा जिनकी प्रमाणिकता हमारा इतिहास देता है।

काशी की तर्ज पर झांसी में भी होगी मां पहुंज नदी की महा आरती

27 अक्टूबर को शाम के 6 बजे होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- दुर्गा उत्सव महासमिति के तत्वधान में शुक्रवार 27 अक्टूबर को शाम 6=00 बजे काशी में होने वाली मां गंगा आरती के तर्ज पर ही मां पहुंज नदी की महाआरती होने जा रही है। इस आरती को संपन्न कराने काशी से ही विद्वान पंडित पधार रहे हैं। यह जानकारी दुर्गा उत्सव महासमिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, महामंत्री विनोद अवस्थी एवं शोभायात्रा संयोजक पंडित पियूष रावत ने संयुक्त रूप से दी। स्टेशन रोड स्थित एक स्थानीय होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम के संरक्षक इंजीनियर रविकांत दवे कम्मू तिवारी, सीताराम यादव महेश सर्राफ मटका, मैथिली शरण मुदगिल, रोहित पांडे एवं गोकुल दुबे ने बताया गया कि दुर्गा उत्सव महासमिति की एक अनोखी पहल गंगा बचाओ नदिया बचाओ अभियान के तहत होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त डॉ आदर्श सिंह एवं अध्यक्ष पुलिस उपमहानिरीक्षक जोगेंद्र सिंह होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी अवनीश कुमार, सदर विधायक रवि शर्मा, नगर आयुक्त पुलकित गर्ग , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश एस एवं महापौर बिहारी लाल आयृ होंगे। जय एकेडमी स्कूल के सामने स्थित मां पहुंज नदी के घाट पर होने वाली महाआरती में सभी झांसी वासी सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम के उद्देश्य से जुड़े सवाल पर पंडित पियूष रावत ने बताया कि भारतीय संस्कृति में देने वाले को देवता कहा जाता है और उसकी पूजा-अर्चना की जाती है। जल हमें जीवन देता है। इसलिए जल की प्रमुख स्त्रोत नदियों को पवित्र मान कर उनकी पूजा-अर्चना की परंपरा सदियों से चली आ रही है। समस्त झांसी वासी से अपील है कि वह अधिक से अधिक संख्या में इस आरती में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।27 तारीख का कार्यक्रम का संचालन नीति शास्त्री दीदी करेंगे,! एक अन्य सवाल के जवाब में बताया गया कि पहूज नदी की उत्पत्ति झांसी के समीप मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ ज़िले की पहाड़ियों में होती है। इस नदी का प्राचीन नाम पुष्पावती है। यह मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की राज्य-सीमा पर बहती है। उत्तर प्रदेश के जालौन ज़िले में इसका विलय सिन्ध नदी में होता है, जो स्वयं आगे जाकर इटावा ज़िले में यमुना नदी में विलय होती है। पहूज नदी (Pahuj River) भारत के उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में बहने वाली एक नदी है। यह सिन्ध नदी की एक उपनदी है, जो स्वयं यमुना नदी की उपनदी है। पहूज नदी की लम्बाई लगभग 195 किमी है और झांसी के नगर से गुज़रती है। इस दौरान अरविंद वशिष्ठ, अमित चिरवरिया, मुकेश अग्रवाल, आलोक चतुवेर्दी , राजेश विरथरे,रवीश त्रिपाठी, अतुल किल्पन, एडवोकेट ,सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, पवन गुप्ता ,जयदीप खरे,एडवोकेट समीर तिवारी ,प्रभात शर्मा ,संजीव तिवारी ,अतुल मिश्रा ,एडवोकेट नरेंद्र अग्रवाल, विकास अवस्थी , प्रभारी डॉ भूपेंद्र रायकवार , अतुल मिश्रा ,प्रभात शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

रिठौरा में पुरानी रंजिश को लेकर भिड़े दो पक्ष मां,बेटा घायल

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला धर्मपुर में बुधवार को पुरानी रंजिश के चलते अर्जुन , शिवम्, होरीलाल,अजीत अपने पड़ोसी राजेंद्र से किसी बात को लेकर गाली-गलौज करते थे। जिसके विरोध में खूब ईंट पत्थर चले । जिससे राजेंद्र घायल हो गया। बचाने आयी मां मोहनदेई घायल हो गयी।अन्य पड़ोसियों की मदद से उन्हें थाना हाफिजगंज भेजा गया। जहां से पुलिस ने मेडिकल के लिए भेज दिया।

दशहरे की राम राम सहित हुआ पंचायत का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

बंगरा(झाँसी)समीपस्थ ग्राम पंचायत मगरवारा में हर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा पर्व बड़े धूम धाम से मनाया गया,लोगों ने घर घर जाकर दशहरे की राम राम के साथ दी लोगों को बधाई बाद में पंचायत आयोजन कर निपटाई गांव की समस्याएं।ग्राम पंचायत मगरवारा में हर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरे के अगले दिन गांव के प्रतिष्ठित व्यक्ति स्वर्गीय रनमत सिंह दादा के घर के बाहर सभी लोग एकत्रित हुए वहां गांव के पुजारी पं रामस्वरूप मिश्रा के द्वारा सभी का तिलक करके एवं पान,सौंफ आदि खिलाकर स्वागत किया गया इसके बाद सभी लोगों ने पूरे गांव का भ्रमण करते हुए घर घर जाकर एक दूसरे को दशहरे पर्व की बधाई दी जिसमें लोगों का द्वार द्वार पर ग्रामीणों के द्वारा स्वागत किया गया इसके पश्चात वन दरोगा धुर्व सिंह यादव के मकान के सामने सभी लोग एकत्रित हुए जहां गांव की समस्याओं सहित विशेष पंचायतों का निपटारा किया गया तत्पश्चात लोगों को मिठाई वितरित करते हुए पंचायत का समापन किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर भार्गव के निधन पर शोक जताया

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- बुंदेलखण्ड प्रेस वैलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में दैनिक प्रदेश वाच कार्यालय पर एक शोक सभा आयोजित की गई जिसमें वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर भार्गव के निधन हो जाने पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे उन्हें अपने चरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार जनों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करें। श्रद्धांजलि सभा में बूंदेलखण्ड प्रेस वैलफेयर सोसायटी अध्यक्ष शीतल तिवारी वरिष्ठ पत्रकार रामसेवक अडजरिया, हरिकृष्ण चतुर्वेदी, रामकुमार साहू, दीपक सिंह चंदेल दीप चंद्र चौबे,बृजेंद्र चतुर्वेदी, महेश पटैरिया,देवेंद्र शुक्ला, धर्मेंद्र कौरव, सचिन श्रीवास्तव, रामकिशुन अकेला, सूरजसिंह यादव,पुनीत श्रीवास्तव, रोहित झा, राकेश कुशवाहा, मुश्ताक भाई, प्रतीक सैमसन, हरीश वीरु,एड. राजेंद्र शर्मा एड.फारुख खान, राजेश चौरसिया, दीपक त्रिपाठी,रोहित झा,आफरीन खान, इदरीश खान, कुंदन सोलंकी, इमरान खान, संगीता रायकवार, फोटोग्राफर विजय कुशवाहा, अख्तर खान, प्रभात साहनी,बबलू रमैया सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।संचालन सोसायटी के महामंत्री एवं गणेश शंकर विद्यार्थी उन्नयन समिति के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने किया।

अवैध तरीके से मिट्टी खनन बेखोफ चल रहा जे सीबी से बड़े बड़े गड्ढे खोदकर खनन किया जा रहा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

मऊरानीपुर नगर व क्षेत्र में खनन करने बाले माफिया दिन हो या रात जेसीबी से खनन करते हुए देखे जा सकते ऐसा ही एक मामला मोहल्ला कुरेचा हार से मिट्टी के भरे ट्रेक्टर दौड़ रहे ऐसा नही की उक्त ट्रैकर रात्रि के समय चल रहे हो दिन में बेखोफ मुख्य सड़क पर दौड़ रहे आखिर उक्त खनन करने बाले माफियो पर कार्यवाही क्यो नही हो रही।

भाजापा की कार्यकर्ता बैठक हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- ऋषभ होटल सीपरी बाजार मै भाजयुमो महानगर द्वारा कार्यकर्ता परिचय बैठक हेमंत सिंह परिहार नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य एवं अमित सिंह जादौन की अध्यक्षता मै संपन्न हुयी. जिसमें सभी कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए हेमन्त परिहार ने कहा की भाजपा का कार्यकर्ता सदैव निस्वार्थ भाव से निरंतर कार्य करता है आप सभी कार्यकर्ता भाजपा की रीड है.

आने वाले समय मै आपके सामने हो सकता है नई चुनौतिया आये लेकिन आपको बिना रुके बिना थके निरंतर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचे ऐसी

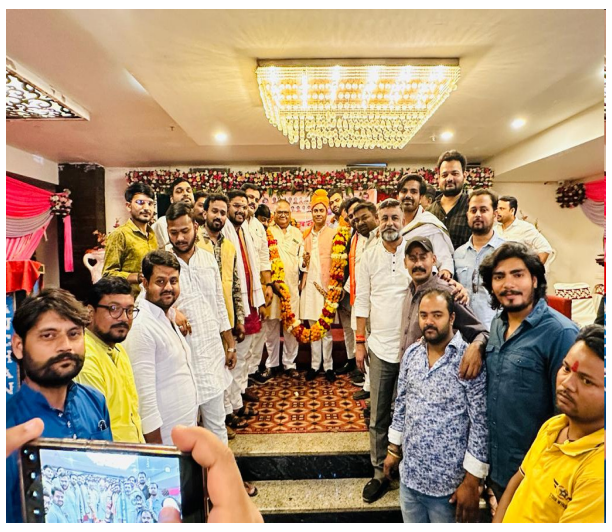

व्यवस्था करना है। इस अवसर पर सुबोध गुबरेले,सुरेश मनकानी,अनुज नीखरा,दिगंत चतुर्वेदी, निशांत शुक्ला ,विकाश कुशवाहा,गौरव तिवारी,प्रणय अग्रवाल,राहुल तिवारी,अनिल सेन,रवि राजपूत,मुकुल द्विवेदी,अमित खटीक,अक्षय द्विवेदी,मंगलम दुबे,शुभम दीखित, विकास सहगल,दिव्यांश पाखरे, सोमेश शिवहरे,मोनू बाल्मीकि,आदर्श राय,अनुज द्विवेदी,विक्की राजपूत,मिथलेश् साहु ,अंकित भार्गव,अभिषेक त्रिपाठी,छोटू खान,रियांशु मुखरैया सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिलखना में पुलिस चौकी प्रभारी की दबंगई का वीडियों वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़। बुधवार को थाना अकराबाद क्षेत्र की पिलखना पुलिस चौकी प्रभारी की दबंगई का एक वीडियों सोशल मीडिया तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियों में मीट की दुकान में उक्त दरोगा अन्य पुलिस किर्मयों के साथ मीट की दुकान पर है। वायरल वीडियों में महिलाओं और दरोगा के बीच वाद विवाद होता दिखाई दे रहा है। इस संबंध में थाना प्रभारी अकराबाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कस्बे में मेंहदी हसन नामक व्यक्ति जो अवैध रूप से मीट की दुकान चला रहा है। थाना अकराबाद इंसपैक्टर ने बताया कि सूचना मिली थी कि कस्बे में मेंहदी हसन नामक अवैध मीट की दुकान चलाता है। शिकायत पर जब पिलखना पुलिस चौकी

प्रभारी सनोज शर्मा अन्य पुलिस कर्मियों के मेहदी हसन की मीट की दुकान पर पहुंचे तो वह लाइसेंस नहीं दिखा सका। लेकिन वहा पहले से मौजूद महिलाओं ने उक्त दरोगा के साथ अभद्रता की। इस मामले में दरोगा से अभद्रता करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गयी वहीं दूसरे पक्ष में बताया कि पैसे मांगने की मांग करते हैं पुलिसकर्मी

खजुराहो राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- झाँसी खजुराहो राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर में एक मोटरसाइकिल सवार की मौत जानकारी के अनुसार मृतक बृजेंद्र पुत्र हरगोविंद अहिरवार निवासी ग्राम कदौरा रात्रि में मोटरसाइकिल से अपने ग्राम कदौरा जा रहा था जब वह ग्राम भिटारन के पास पहुंचा किसी अज्ञात वाहन ने कुचल दिया थाना मऊरानीपुर पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया एवं जांच में जुट गई।

स्वामी प्रसाद का परमहंस आचार्य पर पलटवार, बोले - धर्माचार्यों के भेष वाले ये आतंकी और नरपिशाच हैं

बहराइच पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने अयोध्या के परमहंस आचार्य पर निशाना साधा और कहा कि आपराधिक चरित्र के साधुओं का वास्तविक चेहरा सामने आ रहा है।अपने आप को पीठाधीश्वर कहने वाले लोग अपने असली चेहरे जनता के बीच ला रहे हैं। साधु, संत और धर्माचार्यों के भेष में ये नरपिशाच हैं, आतंकवादी हैं और अपराधी हैं। जिनका आपराधिक चरित्र एक-एक कर जग जाहिर हो रहा है। ये धर्माचार्य का गुण नहीं है। उक्त बातें श्रावस्ती जाने के दौरान मंगलवार रात बहराइच रुके सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। वह बहराइच के सिविल लाइन निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद मौर्य के आवास पर कुछ देर के लिए रुके थे। अयोध्या के पीठाधीश्वर परमहंस आचार्य द्वारा स्वामी प्रसाद की हत्या पर 25 करोड़ का ईनाम देने की बात पर पलटवार करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि किसी को गोली मारने के लिए 25 करोड़ की घोषणा

करना। जीभ, आंख-कान काटने की सुपारी देना, किसी साधु-संत का चरित्र नहीं हो सकता। ये कुख्यात आपराधिक चरित्र के लोग हैं, जो साधु संत के भेष में खुद को छिपाए हैं।इस प्रकार के बोल बोलने वालों के खिलाफ पुलिस गूंगी-बहरी व अंधी बनकर तमाशा देख रही है। ये योगीराज का जंगलराज है। चूंकि उत्तर प्रदेश में बाबा की सरकार है तो बाबाओं की बल्ले-बल्ले है। इसी लिए बाबाओं के भेष में आपराधिक चरित्र के बाबाओं का हौसला बढ़ा है। वह जानते हैं कि योगीराज में उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता है। यही कारण है कि मुझे गोली मारने वाले को 25 करोड़ की सुपारी का फरमान दिया गया है। साधु संतो को ऐसे बाबाओं को अपने अखाड़े से बाहर कर देना चाहिए।

आजम खां की हो सकती है हत्या

सरकार पर निशाना साधते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार का लोकतंत्र व कानून में विश्वास नहीं है। जब सरकार खुद भाड़े से पुलिस की हिरासत में दो लोगों की हत्या करवा सकती है तो आजम खां की क्यों नहीं करवा सकती। लोकतंत्र बचाने के पक्षधर लोगों को इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए।

आगरा: भाड़ई रेलवे स्टेशन के पास पातालकोट एक्सप्रेस के दो डिब्बों में लगी आग, कई लोग झुलसे; यातायात प्रभावित

आगरा झांसी रेलवे ट्रैक स्थित भांडई रेलवे स्टेशन के नजदीक 14624 पातालकोट एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। एक्सप्रेस फिरोजपुर पंजाब से छिंदवाड़ा जा रही थी।आगरा-झांसी रेलवे ट्रैक पर ट्रेन में लगी आज से चीख पुकार मच गई। आगरा झांसी रेलवे ट्रैक स्थित भांडई रेलवे स्टेशन के नजदीक 14624 पातालकोट एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। एक्सप्रेस फिरोजपुर पंजाब से छिंदवाड़ा जा रही थी। इस दौरान ट्रेन की दो बगियां जलकर खाक हो गईं। लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला इस हादसे में कई लोग झुलस गए हैं। आग लगने के बाद चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ भी घटनास्थल पर दौड़ने लगी। ट्रेन में आग लगने के बाद कई किलोमीटर तक धुआं दिखाई दे रहा था। हालांकि, समय रहते दोनों बोगियों में बैठे लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, काफी समय तक ट्रेन में आग लगी रही है।

हादसे में कई लोग झुलस गए

इस बीच राजगीर भी काफी परेशान होते हुए नजर आए। झांसी के रहने वाले राहुल झुलस गए और मनोज आगरा से ग्वालियर जा रहे थे। इसी बीच बोगी में आग लग गई और इस हादसे में उनको भी चोट पहुंची है। उनका कहना है कि हादसा बहुत भयानक था। काफी लोग ऊपर सो रहे थे। सभी लोग बाहर निकल आए। लेकिन कुछ लोग झुलस गए हैं। आगरा के शरद जैन घटना की भयावता बताते हुए भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि अपने परिवार के साथ ग्वालियर जा रहे थे। उनके दो बच्चे थे साथ में उनकी पत्नी जैसे ही खिड़की के पास आग लगी तो खुद को और अपने परिवार को बचाने की जद्दोजहद में लग गए। रेलवे के अधिकारी भी घटना पर पहुंच रहे हैं और घटना की जानकारी जुटा रही है। इस हादसे में करीब 10 से 12 लोग झूलने की सूचना है। हालांकि, स्थानीय लोग भी आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास कर रहे थे।

पातालकोट एक्सप्रेस में आग लगने से आगरा-झांसी रेलवे ट्रैक प्रभावित

आगरा रेल मंडल के भांडई स्टेशन के पास फिरोजपुर से सिवनी जा रही पातालकोट एक्सप्रेस के दो कोच में आग लग गई। इसके चलते झांसी-आगरा रेलवे ट्रैक पर यातायात प्रभावित हो गया। वन्देभारत भारत, दुर्ग हमसफर समेत कई ट्रेनों को आगरा स्टेशन पर रोक दिया गया है। आग बुझाने का काम चल रहा है।

चुनावों के पहले बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने की तैयारी, पावर कॉर्पोरेशन ने प्रस्ताव भी भेजा

यूपी में बिजली के दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे। उपभोक्ता परिषद के विरोध के बाद पावर कॉर्पोरेशन ने फ्यूल सरचार्ज घटाने का प्रस्ताव दिया है।यूपी की जनता के लिए अच्छी खबर है। बिजली की दरें कम की जाएंगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने विरोध के बाद फ्यूल सरचार्ज दर घटाने का प्रस्ताव नियामक आयोग को भेज दिया है। इसके पहले पावर कॉर्पोरेशन ने सर चार्ज दर बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था लेकिन उपभोक्ता परिषद के विरोध के बाद नियामक आयोग ने कॉर्पोरेशन को संशोधित प्रस्ताव देने का निर्देश दिया।अब ×कॉर्पोरेशन ने संशोधित प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। इसमें फ्यूल सरचार्ज कम किया गया है। उपभोक्ता परिषद ने आयोग को पहले भेजे गए प्रस्ताव का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट तक जाने की धमकी दी थी जिस पर आयोग को विचार करना पड़ा और नया प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया।

विजयदशमी पर क्षत्रिय समाज के लोगों ने किया शस्त्र पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी ट्ठ कस्बे में विजयदशमी पर क्षत्रिय समाज के लोगों ने शस्त्र पूजन का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। जानकारी के अनुसार कस्बे के एक बैंकट हॉल में क्षत्रिय समाज के लोगों ने विजयदशमी पर शस्त्र पूजन का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। जिसमें सभी क्षत्रिय ठाकुर समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के युवा जिला अध्यक्ष अमित कुमार सिंह जानकी देवी इंटर कॉलेज के वरिष्ठ लिपिक ने विजयदशमी की शुभकामनाएं देकर बताया कि विजयदशमी पर क्षत्रिय समाज के लोगों ने विजयदशमी पर शस्त्रो का पूजन कर विजयदशमी का त्यौहार बड़ी धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। विजयदशमी के पर्व पर शस्त्र पूजन का एक महत्व है और एक परंपरा है। जिला अध्यक्ष ने सभी को सत्य के मार्ग पर चलने का आवाहन किया और बुराइयों से दूर रहने की बात कही कि जब हम सत्य के मार्ग पर चलेंगे तो हमारा जीवन सुखमय ही होगा। और कहा कि हम जब सत्य के मार्ग पर चलते हैं तो हमें बहुत ही कठिनाइयां का सामना करना पड़ता है जिस प्रकार श्री राम जब सत्य के मार्ग पर चले और रावण के ऊपर उन्होंने विजय पाई तो कितने ही कष्ट झेलने के बाद उन्होंने रावण पर विजय पाई इस

प्रकार जब हम सत्य के मार्ग पर चलते हैं तो हमें विजय निश्चित ही मिलती है। इस मौके पूर्व ब्लाक प्रमुख देवपाल सिंह चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय चौहान ने सभी लोगों को विजयदशमी की शुभकामनाएं देखकर अपने विचार व्यक्त किए और आपसी भाईचारा बनाने एवं संगठित होने का संदेश दिया। इस मौके पर अखिल भारतीय महासभा के युवा जिला उपाध्यक्ष सचिन चौहान, मंडल अध्यक्ष डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, एडवोकेट यशेंद्र सिंह, ठाकुर सत्येंद्र सिंह, ठाकुर अमित सिंह, सभासद ठाकुर धीरेंद्र सिंह, सभासद ठाकुर संजीव सिंह, मास्टर नेत्रपाल सिंह, प्रधान ठाकुर अनुज सिंह, पूर्व सभासद ठाकुर अनिल सिंह, ठाकुर उमेश सिंह, अमर सिंह, तिलक सिंह, ओमेंद्र चौहान, ठाकुर महिपाल सिंह, जतिन चौहान, राधा सोमवंशी, हर्ष सोमवंशी, ठाकुर जगत सिंह उर्फ सनी, सभासद ठाकुर अबोध सिंह, ठाकुर दुर्गपाल सिंह, सभासद ठाकुर धर्मेंद्र सिंह उर्फ मोनू, अंकित सिंह, अंकुर सिंह, प्रशांत सिंह, राहुल सिंह आदि लोग कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

यूपी न्यूज: गुंडा एक्ट में गिरफ्तार आरोपी की रिमांड प्रभारी सीजेएम ने किया खारिज, इस शर्त पर रिहा करने का आदेश

कोपागंज थाना क्षेत्र के भदसामानोपुर गांव निवासी विपिन त्रिपाठी उर्फ रवि प्रकाश पुत्र राम विजय त्रिपाठी के विरुद्ध कोपागंज थाने की पुलिस ने गुंडा एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस का आरोप है कि आरोपी विपिन त्रिपाठी को जिलाधिकारी ने 3 अक्तूबर को गुंडा एक्ट के तहत 6 माह के लिए जिले की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया था।जिलाधिकारी के आदेश का आरोपी पर बिना तामिल कराए गुंडा एक्ट में गिरफ्तार कर रिमांड के लिए पेश करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुवंर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने एसआई सुनील कुमार सरोज की अर्जी को खारिज कर दिया। साथही आरोपी विपिन त्रिपाठी उर्फ रवि प्रकाश को व्यक्तिगत मुचलका पर रिहा करने का आदेश दिया।

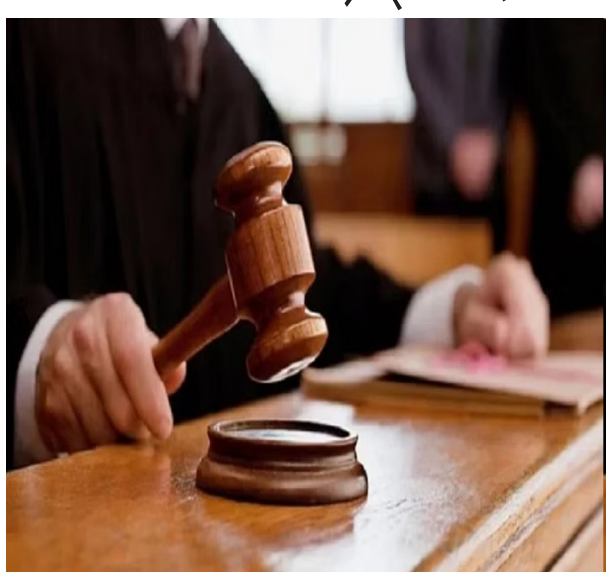

प्रभारी सीजेएम ने आदेश की प्रति आवश्यक कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक को भेजे जाने का निर्देश दिया। मामला कोपागंज थाना क्षेत्र का है। मामले के अनुसार कोपागंज थाना क्षेत्र के भदसामानोपुर गांव निवासी विपिन त्रिपाठी उर्फ रवि प्रकाश पुत्र राम विजय त्रिपाठी के विरुद्ध कोपागंज थाने की पुलिस ने गुंडा एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस का आरोप है कि आरोपी विपिन त्रिपाठी को जिलाधिकारी ने 3 अक्तूबर को गुंडा एक्ट के तहत 6 माह के लिए जिले की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया था। जिसका आरोपी ने उलंघन किया है। मामले के विवेचक एसआई सुनील कुमार सरोज ने आरोपी को 21 अक्तूबर की गिरफ्तारी दिखाकर न्यायिक रिमांड के लिए उसे सीजेएम कोर्ट में पेशकर किया। विवेचक का अर्जी पर प्रभारी सीजेएम ने आरोपी के अधिवक्ता और अभियोजन अधिकारी के तर्कों को सुनने तथा प्रपत्रों का अवलोकन करने के बाद अपने आदेश मे लिखा कि आरोपी एक अन्य मामले में 23 सितंबर से जेल मे था वह 11 अक्तूबर को जेल से रिहा हुआ। इसबीच 3 अक्तूबर को जिलाधिकारी ने उसे 6 माह के लिए जिला बदर करने का आदेश दिया। लेकिन आदेश की जानकारी न तो आरोपी को हुई और न ही उसके परिवार वालों को हुई। केस डायरी मे आरोपी को आजमगढ़ जनपद की सीमा पर छोडे जाने के बावत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसपर आरोपी का 20 अक्तूबर को हस्ताक्षर कराया जाना प्रतीत होता है। और 21 अक्तूबर को एफआईआर दर्ज की गई हैं। ऐसी परिस्थिति में विवेचक की न्यायिक अभिरक्षा/ रिमांड स्वीकार करने की अर्जी खारिज कर दिया।तथा उसे व्यक्तिगत मुचलका पर रिहा करने का आदेश दिया। तथा आरोपी को 22 अक्तूबर की सुबह 6 बजे तक जिले की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश दिया। प्रभारी सीजेएम ने आदेश की प्रति आवश्यक कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक को भेजे जाने का आदेश दिया।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

What is polio disease, know the symptoms and ways of prevention

World Polio Day is celebrated every year on 24 October. Polio is a serious disease that mostly affects children under 5 years of age. Therefore, on this day, awareness is spread about the importance of polio vaccination and campaigns are run to end polio. Know the history of World Polio Day and the symptoms and prevention methods of polio. World Polio Day is celebrated every year on 24 October. On this day, awareness is spread about the importance

of polio vaccine. Know what are the symptoms of polio and the method of prevention. World Polio Day is celebrated every year on 23 October. On this day, efforts are made to make people aware about the importance of polio vaccination. On this day, campaigns against polio are run all over the world to eradicate polio. Let us know all the important things related to polio. What is the history of World Polio Day? World Polio Day was started by Rotary International. This day is celebrated on the occasion of the birthday of Jonas Salk. Jonas Salk led the first team to discover a polio vaccine. In 1988, the World Health Assembly launched a mission to eliminate polio from all countries of the world. Through this mission, emphasis was laid on giving vaccine to all children to protect them from this terrible disease. World Polio Day is part of this initiative. What is its importance? Polio is a terrible disease, which if infected can even lead to paralysis. This mostly happens to children below 5 years of age, hence it is very important to give all the vaccines to children on time. On this day, parents who get their children vaccinated on time and all health care workers are appreciated. India became a polio-free country in 2014. What is polio? Polia is also known as poliomyelitis. It occurs due to infection with polio virus, which affects the nerves of the spinal cord. This can cause paralysis or even death. According to the Claverland Clinic, the polio virus first infects your throat and then your intestines. Because of this, flu-like symptoms are seen. After this the infection affects your brain and spinal cord. It is an infectious disease, which can spread easily from one person to another. How does polio spread? Not washing hands properly after going to the toilet, drinking dirty water or cooking in it, coming in contact with spit, saliva or feces of an infected person, swimming in dirty water, eating dirty food. What are the symptoms? Sore throat Fever Headache Stomach ache Vomiting Diarrhea Fatigue Stiff neck and back Muscle pain Difficulty moving legs or arms Paralysis What is the method of prevention? The only way to prevent polio is its vaccine. Oral polio vaccine is given in India. Polio drops are given to every child below 5 years of age.

Never compromise with these things in a relationship

Relationship Tips: If you are in a relationship and your partner is very loving and caring. But still you should never compromise with some things in a relationship. This is because this compromise only leads to regrets in the future. Let us know about these things and advise this to your close ones also. Keep these things in mind for a healthy relationship - Never compromise with these things in a relationship. Some compromises have to be made in a relationship, often we have been hearing such things from our parents and elders. And yes, it is necessary in some things, otherwise it will be very difficult for the relationship to run smoothly, but do not make the mistake of compromising at all in some things, because if you compromise here, then you will feel the pain. You may have to suffer throughout your life. However, women often make this mistake, for the sake of love, saving marriage and happiness of their children, they often make such compromises, which they later regret and they are unable to do anything even if they want to, so about which things they never make any compromises?

There should be no compromise, let's know about it. Compromise with respect- No matter what the situation may be, never compromise with your self-respect. Because if this is gone, then understand that you have lost a very big thing. No person has the right to insult you, even if he is your partner. To maintain a relationship, it is very important to have respect for each other. Compromises with career are mostly seen in the cases of women only. After marriage, many times she is not able to manage the responsibilities of family and office simultaneously and in the end she gets upset and finds it better to compromise with her career. You may find this decision right for some time, but later on, when you have to depend on your husband or family for small things, then you only regret this decision. If you studied to make your career, struggled for a job, then do not compromise on this also. Many times women are ready to fulfill this dual responsibility, but still their husband or family members keep asking them to leave the job, then here you have to stand up for yourself and do not compromise with your career at all. Instead of fighting, explain to them the benefits of the job in a relaxed manner. Compromise on priorities- From childhood to adulthood, life gives us many types of experiences. We have our own opinion about good and bad things, which may be different from your partner's, but in order to maintain coordination, avoid fights and show off, the mistake of agreeing with others is a kind of compromise. Which can be harmful for you in future.

Along with the bride, the groom should also do makeup, learn the right way to do it here.

The wedding season is about to start. In such a situation, every would-be bride and groom are busy making their wedding day more special. Everyone wants to look different and special on their wedding day. They have started preparing for this. If we talk about the brides-to-be, then every bride books the best parlor for her wedding, so that her make-up lasts for a long time and she looks the most beautiful, but the grooms-to-be are not aware of this. Most of the boys do not even know that on the wedding day they also have to get makeup done, so that they too can compete with the bride and look the smartest on the special day of their life. However, boys do not like to go to parlor and do makeup. In today's article, we are going to tell you some tips to do makeup at home. So that you too look smart and handsome on your special day. First Step- On the day of your wedding, the groom should first clean his face with the help of cleansing milk. So that the dirt on the face gets cleaned properly. Second Step- After this, use toner of your skin type on the skin, which will make the skin glow. Third Step- After applying toner, use good quality face serum on your skin. With the use of Vitamin C serum, your skin will remain glowing. Fourth Step- After applying the serum, use color corrector according to the skin tone. So that the blemishes and spots on the face are hidden. If you have dark circles under your eyes then definitely hide them with color corrector.The wedding season is about to start. In such a situation, every would-be bride and groom are busy making their wedding day more special. Everyone wants to look different and special on their wedding day. They have started preparing for this. If we talk about the brides-to-be, then every bride books the best parlor for her wedding, so that her make-up lasts for a long time and she looks the most beautiful, but the grooms-to-be are not aware of this. Most of the boys do not even know that on the wedding day they also have to get makeup done, so that they too can compete with the bride and look the smartest on the special day of their life. However, boys do not like to go to parlor and do makeup. In today's article, we are going to tell you some tips to do makeup at home. So that you too look smart and handsome on your special day. First Step- On the day of your wedding, the groom should first clean his face with the help of cleansing milk. So that the dirt on the face gets cleaned properly. Second Step- After this, use toner of your skin type on the skin, which will make the skin glow. Third Step- After applying toner, use good quality face serum on your skin. With the use of Vitamin C serum, your skin will remain glowing. Fourth Step- After applying the serum, use color corrector according to the skin tone. So that the blemishes and spots on the face are hidden. If you have dark circles under your eyes then definitely hide them with color corrector.Fifth step: For beautiful photos, definitely shape your eyebrows. This will also make your look look lovely. Sixth Step- Do contouring to shape the face. Like the bride, the groom also needs to correct his face. Make sure to apply base - Apply base and foundation on the face according to your skin tone and skin type. While applying it, keep in mind that it should not be too much. Applying too much foundation makes the skin look strange. Be sure to apply something on your lips – dry lips can spoil your entire look. In such a situation, either apply lip balm or if you want, you can apply light colored lipstick.

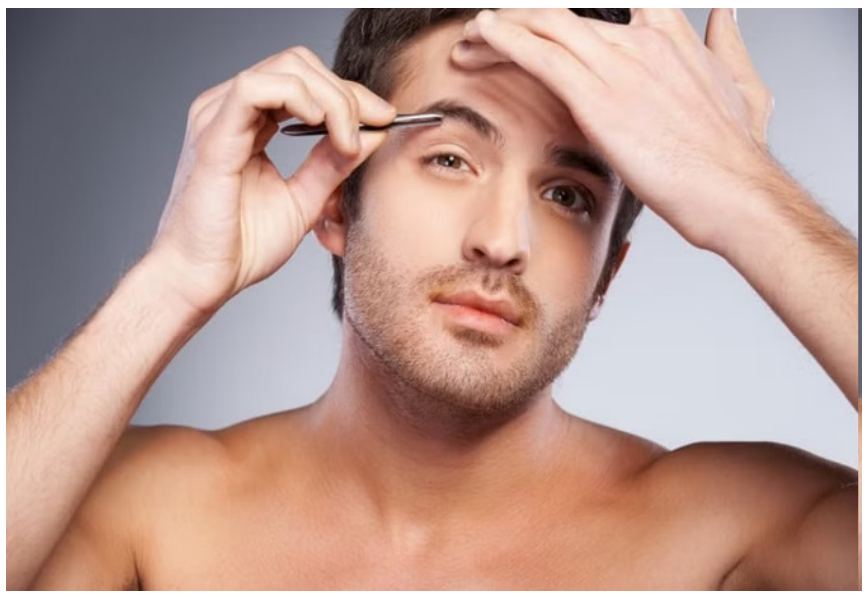

Raveena Tandon's fate changed while eating pizza, and she became Salman's heroine

Raveena Tandon Birthday Special first debut film on the famous TV told how her film career had Phool had fallen into her girl i.e. Raveena Tandon Work done. It is said that papad in the industry. He revealed by the actress story of her first debut show The Kapil had told how her started and 'Patthar Ke fallen lap made her Hindi cinema Khan. Did it with. debut was with the film in 1991. After this film, back. The story behind interesting, which was herself in Kapil's get her first film? first film without any acting. The actress I used to study in day my friends and shop where we Vaswani and sitting there. looking for a second film. In pointed to talk to me. but I recognized him friend. After that he Ravi ji's daughter. Just like that I got that, meanwhile, Salim Khan ji had another chance. Gave many superhit has been in the industry for 31 years. 70 films in her film career spanning many superhits including Dilwale, Mohra, Bade Miyan Chhote Miyan, Aunty No. 1 and screen, Raveena has also created a stir on OTT. The actress has been honored with the Padma Shri Award - In the year 2023, President Draupadi Murmu honored actress Raveena Tandon with the Padma Shri Award. The actress was given this award for her contribution to Indian cinema and her philanthropic work.

Raveena Tandon had narrated the story of her show The Kapil Sharma Show. She had started and how the film Patthar Ke lap without asking. Bollywood's cool had acted in many films in the 90s. Raveena did not have to roll much got the job very easily. This was herself. Raveena had told the film on the famous TV Sharma Show. She film career had how the film Phool' had into her without asking. Raveena Tandon debut in with Salman Raveena Tandon's 'Patthar Ke Phool' released Raveena never looked this movie is quite shared by the actress show. How did Raveena Raveena Tandon got her approach or even trying had said in the show that, college in those days. One I went to eat pizza. The were sitting. Vivek Anant Balani were also Who at that time was heroine for Salman Khan's such a situation, Anant towards me and asked Vivek Vivek did not recognize me, because he was my brother's talked to me and I told that I am my first film. The actress further said called my father and in this way I got films in her 31 year career - Raveena The actress has worked in about so many years, which includes Khiladi Ka Khiladi, Ziddi, Pardesi Babu. After the big

Sushmita Sen shuddered while doing this scene of the first season, told- what was Ram Madhvani's advice?

Aarya Season 3 The third season of Arya is releasing next month. Sushmita is playing the role of a member of a gangster family in the series who is forced to follow a path she does not want to follow. Sushmita will be seen doing tremendous action in the third season. She has

made her OTT debut with the first season of the series. Sushmita Sen plays the character named Arya Sareen in the series. The third season of the series will be released next month. The series is directed by Ram Madhvani. Season 3 of Disney Hotstar's most awaited series Arya (Aarya Season 3) will be seen as the new don. Sushmita, playing the character of Arya Sareen, takes over the mafia world of the city by doing powerful action in this season. The first and second seasons of Arya were very much liked. Nominations were also received at the Emmy Awards. Sushmita started her OTT innings with Arya. The audience liked seeing her becoming the daughter of a gangster family and then moving on the same path. What was that scene, while doing which Sushmita shivered? In the third season, Sushmita's character is going to look more dangerous than before. The series is directed by Ram Madhvani. Regarding working with Ram, Sushmita said in a statement - In a normal situation, when you are doing a scene in which loss is being shown, it is expected that you will at least cry, it should become a norm. Has happened. But, when you are working with someone like Ram Madhvani, he gives you the freedom to express yourself. They don't want your tears. They just want you to immerse yourself in that moment. So, when I thought back to the scene in the first season where Tej was shot, I shuddered because I didn't realize I even had the chance to pull it off artistically. When is the third season of Arya coming? Sushmita Sen is seen in the look of a lady boss in the trailer of Arya 3, in which she is shown doing business with a fearless style. In the action-packed trailer, Sushmita says that sometimes a mother has to become a monster to protect her children. In this season, Sushmita will be seen becoming more dangerous than before and fighting with the enemies. The third season of Arya will be released on Disney+ Hotstar on November 3.

The wait is over! Sidharth Malhotra's first web series will be released on this day

Indian Police Force Release Date: For a long time, discussions are going on about Siddharth Malhotra's first web series Indian Police Force. The new release date of this series, which is part of director Rohit Shetty's Cop Universe, has been announced. Let us know when and on which OTT platform Sidharth Malhotra starrer Indian Police Force will be released. 'Indian Police Force' gets new release date Apart from Siddharth, this star is also a part of 'Indian Police Force', Rohit Shetty is the director of this series, Bollywood superstar Siddharth Malhotra has been in the news for a long time regarding his OTT debut. Siddharth will step on the digital platform through famous Hindi cinema director Rohit Shetty's upcoming web series 'Indian Police Force'. Meanwhile, a big update has come out regarding the release date of 'Indian Police Force'. In such a situation, let us know when and where Sidharth Malhotra's first web series 'Indian Police Force' will be released. 'Indian Police Force' gets a new release date. The market of discussions about 'Indian Police Force' is very hot since time immemorial.

Like 'Singham, Simmba and Suryavanshi' on the big screen and digital platform, Rohit Shetty is raising the bar of his cop universe through 'Indian Police Force'. Meanwhile, the new release date of Sidharth Malhotra starrer 'Indian Police Force' has been announced. OTT platform Amazon Prime Video has announced the new release date of this series on its official Instagram handle. According to which, this explosive series of Rohit Shetty will be released worldwide on Prime Video on January 19 next year in 2024. It is known that keeping in view the Police Memorial Day, the makers are releasing this web series. Even before this, changes in the release date of 'Indian Police Force' have been seen many times. Apart from Siddharth, this star is also a part of 'Indian Police Force' and Siddharth Malhotra, who ruled the hearts of fans with the film 'Ek Villain', is going to debut on OTT with 'Indian Police Force'. Apart from Siddharth, famous Bollywood actress Shilpa Shetty will also be seen in the lead role in this web series. Not only this, actor Vivek Oberoi is also an important part of 'Indian Police Force'. Let us tell you that during the shooting of this series, directors Rohit Shetty and Siddharth Malhotra were injured several times.